RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 |अंक-286| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, शुक्रवार

24 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-10, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

पेपर लीक पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले- फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे

देश के युवाओं के कल्याण और भविष्य से बढ़कर कुछ नहीं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है।

पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके।भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और पोस्को मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28त्न है, यानी जितने नए मामले आए, लगभग उतने ही मामलों का निपटारा भी हुआ। हालांकि, नए मामले लगातार दर्ज होने के कारण 2025 के अंत तक 2.45 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग थे, जबकि 2024 के अंत में यह संख्या 2.04 लाख थी।

अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित विभागों और अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दे दिए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक अहम कदम है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री की ओर से यह घोषणा तब की गई है, जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में छात्रों-युवाओं का प्रदर्शन जारी है। पीएम ने कहा कि आगे ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं और दोषियों को देश के शीर्ष वकीलों की मदद से कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी ।

अमरनाथ यात्रा पर मंथन शुरू

कश्मीर में दिनदहाड़े आतंकी हमले के बाद एजेंसियां अलर्ट

श्रीनगर, एजेंसी

श्रीअमरनाथ यात्रा के दौरान दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में दिनदहाड़े आतंकी हमले के बाद अब सुरक्षा प्रबंधों की खामियों पर मंथन शुरू हो गया है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि दबाव के चलते आतंकी अब सीधे मुठभेड़ से बच रहे हैं। इसके बजाय वे भीड़-भाड़ वाले शहरी इलाकों में टारगेट किलिंग को फिर से अंजाम देने का षड्यंत्र रच रहे हैं। अनंतनाग हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव और समीक्षा शुरू कर दी है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, आतंकी तीर्थयात्रा के दौरान हमला कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार हासिल करने की कोशिश में हैं। उनका उद्देश्य कश्मीर में सुधरते हालात को प्रभावित करना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहां की स्थिति को लेकर नकारात्मक धारणा को फिर मजबूत करना है। इस साजिश को अंजाम देने के लिए सीमा पार बैठे आतंकी हैंडलर कश्मीर में सक्रिय अपने कैडर को लगातार निर्देश दे रहे हैं। उन पर दबाव बनाए हुए हैं।

अनंतनाग को ही क्यों चुना?

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस स्थान पर हमला हुआ, वह भीड़भाड़ वाला इलाका है और वहां नियमित रूप से पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। ऐसे स्थानों पर आतंकियों के लिए हमला करना अपेक्षाकृत आसान होता है। और इस मामले में भी ऐसा ही हुआ।

सोनम रघुवंशी फिर जेल जाएगी

सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्दःतीन हफ्ते में सरेंडर करना होगा; पुलिस को 6 महीने में ट्रायल पूरा करने के आदेश

इंदौर। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी। कोर्ट ने मेघालय पुलिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया।सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यानी सोनम को फिर जेल जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

जमानत पर बाहर रहना ट्रायल को प्रभावित कर सकता हैः सुको

गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे, इसलिए जमानत गलतः सुको

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशों के परिपालन में जारी हुए स्वीकृति आदेश

मध्यप्रदेश पुलिस में विभिन्न श्रेणियों के 9 हजार 662 पदों की एक ही दिन में मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन दिवस पहले पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए थे कि रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य अविलंब किया जाए। उन्होंने हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति के अभियान में सर्वाधिक लगभग 25 हजार पदों पर पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों की पदोन्नति पर हर्ष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए थे कि आगामी महीनों में भी रिक्त पदों की पूर्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया जारी रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशों के तारतम्य में गृह विभाग ने विभिन्न श्रेणी के 9 हजार 662 पदों की स्वीकृति के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदोन्नति की प्रक्रिया भविष्य में भी निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पदोन्नति से शेष अधिकारियों, कर्मचारियों को चक्रीय क्रम में पदोन्नत करने के आदेश भी सितंबर माह में जारी करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धार में जनता ने स्वागत किया

चार आदेशों में स्वीकृत किए गए 9 हजार 662 पद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशों के परिपालन में गृह विभाग ने वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तृतीय श्रेणी के सीधी भर्ती के अराजपत्रित सूबेदार (अ) शीघ्र लेखक के 135 पद और सहायक उपनिरीक्षक (अ) के 520 पद, इस तरह 655 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रशासकीय स्वीकृति के लिए आदेश जारी किया है। इसी तरह एक अन्य आदेश में अराजपत्रित सूबेदार के 81 पद, उपनिरीक्षक (जिला पुलिस बल) के 312 पद, उपनिरीक्षक (विसबल) के 69 पद, उपनिरीक्षक (क्यूडी) के 04 पद, उपनिरीक्षक (अंगुल चिन्ह) के 22 पद, उपनिरीक्षक (आयुध) के 10 पद, उपनिरीक्षक फोटो के 09 पद, इस प्रकार 507 पदों पर सीधी भर्ती के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में आदेश जारी कर 7500 पद स्वीकृत किए गए हैं।

ट्रस्ट की बैठक के बड़े फैसले

अब नियुक्त होंगे नए सचिव-प्रवक्ता अगले माह सीईओ का चुनाव

अयोध्या, एजेंसी

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सचिव और प्रवक्ता की नियुक्ति की जाएगी। यह निर्णय मणिरामदास जी की छावनी में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में किया गया। सचिव की नियुक्ति का औचित्य स्पष्ट करते हुए बताया गया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी की चयन प्रक्रिया पूरी होने में एक माह का अतिरिक्त समय लग सकता है। ऐसे में बैठक के दौरान न्यासी मंडल ने एक सचिव की नियुक्ति किए जाने का निर्णय किया। मीडिया से सतत संवाद के लिए प्रवक्ता की नियुक्ति की घोषणा किए जाने के साथ ट्रस्ट के सदस्य युग पुरुष स्वामी परमाानंद तथा कार्यवाहक महासचिव कृष्णमोहन की ओर से जारी वक्तव्य में बताया गया कि 'समस्त दुष्प्रचार एवं अतिरेकी आरोपों के बावजूद रामजन्मभूमि मंदिर में दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या यथावत है। यह इस बात का प्रमाण है कि आधारहीन, मिथ्या और भ्रामक आरोपों के बाद भी करोड़ों रामभक्तों की आस्था और विश्वास अडिग है।

सावन में भक्तों की बढ़ेगी संख्या

पवित्र श्रावण मास में रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या में वृद्धि का अनुमान है और इसी के साथ तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सामने अतिरिक्त व्यवस्था की चुनौती होगी। इसी तथ्य को ध्यान में रख कर सचिव के अस्थाई पद पर नियुक्ति की घोषणा की गई।

सरकार बोली-कॉकरोच पार्टी को 4 बार बातचीत के लिए बुलाया-सीजेपीने कहा-

नड्डा के घर नहीं जाएंगे, बात करनी है तो सरकार जंतर-मंतर आए

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे के दौरान सीजेपी को जेपी नड्डा के आवास या ऑफिस पर बातचीत के लिए चार बार ऑफर भेजा गया है।हालांकि सीजेपी ने ऑफर ठुकरा दिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा- सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या किसी न्यूट्रल जगह पर बातचीत करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। इस बीच नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशनने कनॉट प्लेस की सभी दुकानें, ऑफिस और रेस्टोरेंट आज शाम 6:30 बजे तक बंद करने की अपील की है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं और फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं।

प्रदर्शन के साथ जंतर-मंतर चाय-नाश्ता और सेल्फी का स्पॉट भी बना

जंतर-मंतर सिर्फ प्रदर्शन का मंच नहीं रहा, बल्कि यहां पूरे दिन अलग ही माहौल देखने को मिलता है। कहीं समर्थक चाय-नाश्ता बांटते नजर आते हैं, तो कहीं लोग आंदोलन के पोस्टर, बैनर और तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर इस पल को अपने कैमरे में कैद करते दिखते हैं। जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन को देशभर से अनोखा समर्थन मिल रहा है। जो लोग दिल्ली नहीं पहुंच पा रहे, वे स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट, जेप्टो और इंस्टामार्ट जैसे ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म के जरिए प्रदर्शनकारियों के लिए खाना और जरूरी सामान भेज रहे हैं।

2024 नीट पेपर लीक के मुख्य आरोपी को क्लीनचिट

पेपरलीक पर देशभर में चल रहे आंदोलनों के बीच 2024 नीट-यूजी के मुख्य आरोपी को क्लीनचिट मिल गई है। सीबीआईने गुरुवार को बताया कि बिहार पुलिस ने संजीव मुखिया को इस मामले का मुख्य आरोपी बनाया था, लेकिन जांच में उसके खिलाफ प्रश्नपत्र चुराने या लीक करने के सबूत नहीं मिले। संजीव को इस मामले में जमानत मिल गई है, लेकिन वह अभी जेल में ही रहेगा। उस पर सिपाही बहाली पेपर लीक का भी केस है।एजेंसी ने इस केस में प्रश्न पत्र की चोरी और उसे बांटने में शामिल हर व्यक्ति की पहचान की। उन कैंडिडेट्स की भी पहचान की जिन्हें, क्वेश्चन पेपर से फायदा हुआ।

कैग रिपोर्ट — मप्र में जल जीवन मिशन की प्लानिंग से लेकर क्रियान्वयन तक में मिली खामियां, कई गांवों में बिना डिफ्लोराइडेशन के सप्लाई हुआ पानी

पानी की जांच पर सिर्फ 0.38 फीसदी खर्च, ग्रामीणों की सेहत पर खतरा

भोपाल (एजेंसी)

भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार (कैग) ने मप्र में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के क्रियान्वयन में योजना निर्माण, कार्यान्वयन, वित्तीय प्रबंधन और निगरानी से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाया है। मप्र विधानसभा में पेश कैग की रिपोर्ट के अनुसार मिशन की विकेंद्रीकृत, मांग आधारित और बॉटम-अप योजना प्रक्रिया प्रभावी नहीं रही, जिसके कारण हर घर जल का लक्ष्य मार्च, 2024 तक पूरा नहीं हो सका।

रिपोर्ट के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत पेयजल गुणवत्ता की निगरानी में गंभीर खामियां सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार पेयजल गुणवत्ता की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए निर्धारित ड्रिंकिंग वाटर मॉनिटरिंग एंड सर्विलांस (डीडब्ल्यूएम एंड एस) रूपरेखा का पालन नहीं किया गया। इससे जल गुणवत्ता की प्रभावित हुई। डीडब्ल्यूएम एंड एस के लिए निर्धारित 2.0 प्रतिशत निधि में से सरकार ने केवल 0.38 प्रतिशत राशि खर्च की, जबकि 1.62 प्रतिशत राशि निर्माण कार्यों में डायवर्ट कर दी गई। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण जल गुणवत्ता की निगरानी भी प्रभावित रही। जिला और उप-मंडल स्तर की प्रयोगशालाओं में ई. कोलाई और कुल कोलीफॉर्म जैसे महत्वपूर्ण मानकों की जांच के लिए एनएबीएल मान्यता नहीं थी। इसके चलते अधिकांश जगहों पर केवल आंशिक परीक्षण ही किए गए। रिपोर्ट के अनुसार राज्य, जिला, उप-मंडल और जल शोधन संयंत्रों की प्रयोगशालाएं निर्धारित सभी मानकों की जांच नहीं कर रहीं। कई महत्वपूर्ण रासायनिक तत्वों, भारी धातुओं और कीटनाशकों की जांच भी नहीं की गई। इससे यह सुनिश्चित नहीं हो सका कि ग्रामीणों को आपूर्ति किया जा रहा पानी निर्धारित पेयजल मानकों के अनुरूप है।

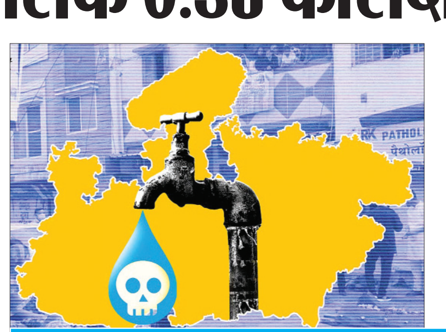

ई-जल शक्ति पोर्टल पर फर्जी आंकड़े किए दर्ज

कैग की रिपोर्ट के अनुसार ई-जल शक्ति पोर्टल पर ऐसे गांवों के परिवारों को भी फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) का लाभार्थी दिखाया गया, जहां न तो जलापूर्ति शुरू हुई थी और न ही योजनाएं पूरी हुई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में 11 लाख 94 हजार 63 निजी अथवा स्वयं के स्रोत वाले नल कनेक्शन जल जीवन मिशन के वास्तविक लाभार्थी नहीं थे, इसके बावजूद इन्हें मिशन के तहत दिए गए एफएचटीसी के रूप में ई-जल शक्ति पोर्टल पर दर्ज किया गया। इससे मिशन की वास्तविक प्रगति का आंकलन प्रभावित हुआ। कैग ने कहा कि निगरानी व्यवस्था में कई प्रमुख कमियां सामने आईं। एफएचटीसी की संख्या डैशबोर्ड पर गलत दर्ज की गई, जबकि एकल ग्राम योजनाओं में नियोजित और वास्तविक रूप से स्थापित नल कनेक्शनों के बीच बड़ा अंतर पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार इन विसंगतियों के कारण मिशन की प्रगति का सही आकलन नहीं हो सका।

केंद्र की अनुदान राशि प्रभावित

रिपोर्ट के अनुसार सितंबर, 2024 तक बहु-ग्राम योजनाओं में केवल 27 प्रतिशत और एकल ग्राम योजनाओं में 58 प्रतिशत कार्य ही पूरे हो सके थे। कार्य आवंटन में देरी, अवास्तविक लागत अनुमान और समय पर निधियों का उपयोग नहीं होने के कारण केंद्र सरकार की अनुदान राशि प्रभावित हुई, जबकि राज्य अंश के आवंटन में भी कमी रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई परियोजनाओं के लागत अनुमान त्रुटिपूर्ण थे, जिससे लागत वृद्धि, परिहार्य व्यय, बढ़े हुए निविदा मूल्य और जरूरत से अधिक विनिर्देशों का उपयोग हुआ। कई एकल ग्राम योजनाओं में भौतिक या अंतिम पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी किए बिना ही योजनाओं का हस्तांतरण कर दिया गया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान जांचे गए 28 स्थलों में से सात योजनाएं गैर-कार्यशील मिलीं। इसके अलावा कार्य में देरी के बावजूद ठेकेदारों से परिसमाप्त क्षतिपूर्ति की वसूली भी नहीं की गई।

दिल्ली पुलिस की एनएसए के तहत हिरासत में लेने की अवधि बढ़ी

नई दिल्ली। उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत किसी व्यक्ति को एहतियातन हिरासत में लेने की शक्ति को 18 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। दिल्ली पुलिस ने इस बात को खारिज किया है कि पेपर लीक के खिलाफ राजधानी में चल रहे प्रदर्शनों में शामिल लोगों को हिरासत में लेने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत उसे नई शक्तियां दी गई हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह आदेश एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किया गया नवीनीकरण है, जो कई वर्षों से लागू है।

गृह विभाग की अधिसूचना में क्या कहा गया?

दिल्ली सरकार के गृह विभाग की ओर से 15 जुलाई को जारी अधिसूचना के अनुसार, शहर के पुलिस आयुक्त को एनएसए की धारा 3 की उपधारा (2) के तहत हिरासत में लेने की शक्ति दी गई है। यह शक्ति 18 अक्तूबर तक प्रभावी रहेगी। एनएसए केंद्र और राज्य सरकारों को ऐसे लोगों को हिरासत में रखने का अधिकार देता है.

संक्षिप्त समाचार

सिन्धु विकास समिति ने अर्पित की शोक श्रद्धांजलि

सतना। समाजसेवी एवं सिन्धु विकास समिति के सहयोगी जितेंद्र साबनानी की पूज्यनीय माता श्रीमती जमुना देवी साबनानी के आकस्मिक स्वर्गवास होने की खबर से सिन्धु विकास समिति परिवार में शोक की लहर छा गई। समिति कार्यालय में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। समिति परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि पूज्यनीय माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं घर परिवार को यह दुख :सहने की शक्ति प्रदान करें। शोक सभा में संरक्षक श्रीचंद मनवानी गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी इन्द्रलाल आडवाणी घनश्याम मंघरानी मनीष टेकवानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव मनोज सुखदानी जितेंद्र गावरी अमित कामरानी रंजीत सेनानी गोपीचंद कापडी गंगाराम सचदेव बसंत खत्री विजय जग्यासी कमल पुरुस्वानी अशोक चांदवानी राजकुमार साधवानी सुधीर आहुजा, केशव माखीजा दीपक वाधवानी कमल पुरस्वानी अमित घोघवानी अनिल मोटवानी, पंकज आहूजा,ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह संबंधी बैठक 27 को

सतना। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में 27 जुलाई को प्रात: 11 बजे टीएल मीटिंग के पूर्व बैठक आयोजित की गई है। बैठक में प्रशासनिक, पुलिस और विभाग प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे।

एकेएस ने उद्योगों के सहयोग से शुरु किए अप्रेंटिसशिप आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रम

नैक मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का बड़ा कदम, पढ़ाई के साथ मिलेगा उद्योगों में प्रशिक्षण : अनंत सोनी

नगर संवाददाता ■ सतना

तेजी से बदलते औद्योगिक और तकनीकी दौर में युवाओं को रोजगार के लिए सक्षम बनाने की दिशा में नैक मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों एवं संस्थानों के सहयोग से अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलेगा।

रोजगार के लिए तैयार होंगे विद्यार्थी

पत्रकार वार्ता में कुलाधिपति इंजी. अनंत कुमार सोनी ने कहा कि अब केवल पारंपरिक डिग्री पर्याप्त नहीं है। उद्योग ऐसे युवाओं की मांग कर रहे हैं, जिनके पास तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल और कार्य स्थल का अनुभव भी हो। नए पाठ्यक्रम इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

इन क्षेत्रों में शुरू हुए नए पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय ने यूनिवर्सल केबल्स लिमिटेड, इंडो जर्मन टूल रूम, थिंक साइबर प्रो तथा बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (बीओएटी), वेस्टर्न रीजन, मुंबई के सहयोग से केबल एंड वायर टेक्नोलॉजी, टूल इंजीनियरिंग, साइबर सिक्योरिटी, हेल्थ केयर मैनेजमेंट, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स, बैंकिंग एवं फाइनेंशियल सर्विसेज (बीएफ एस आई), इवेंट मैनेजमेंट, रियल एस्टेट एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट तथा डेयरी टेक्नोलॉजी सहित कई रोजगार परक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं।

पढ़ाई के साथ मिलेगा इंडस्ट्री एक्सपीरियंस

इन पाठ्यक्रमों की सबसे बड़ी विशेषता अप्रेंटिसशिप आधारित शिक्षण व्यवस्था है। विद्यार्थी अध्ययन के दौरान ही उद्योगों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीकों, कार्य संस्कृति, टीमवर्क, समस्या समाधान और व्यावसायिक अनुशासन का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पहल

विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार सभी पाठ्यक्रम एनईपी-2020, एनसीवीईटी, यूजीसी, सीआरआईएसपी तथा मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और संचालन की निगरानी संबंधित संस्थाओं एवं औद्योगिक सहयोगी करेंगे।

करियर मार्गदर्शन पर भी जोर

पत्रकार वार्ता में करियर काउंसिलिंग, कौशल विकास, उद्योग–शिक्षा समन्वय, रोजगार पूर्व प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा और अनुसंधान की संभावनाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारोन्मुख और उद्योगों की पहली पसंद बनने योग्य पेशेवर तैयार करना है।

ये रहे मौजूद

पत्रकार वार्ता में कुलाधिपति इंजी. अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी.ए. चोपड़े, प्रति कुलपति डॉ. हर्षवर्धन, कुलसचिव प्रो.आर.एस. त्रिपाठी, विपणन प्रमुख अविनाश मिश्रा, विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ.सुधीर कुमार जैन, प्रो.एल.एन. शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद जयंती पर युवा मोर्चा द्वारा संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

नगर संवाददाता ■ सतना

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी 120वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा 'आजाद प्रेरणा दिवस'' के रुप मे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। आजाद प्रेरणा दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत आज 23 जुलाई को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा डिग्री कालेज सतना मे पं. चन्द्रशेखर आजाद की जीवनी पर संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । भाजपा जिलाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद पाण्डेय के मुख्यआतिथ्य में आयोजित होने वाले उक्त कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी सहित पार्टी के अन्य सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बुधवार 22 जुलाई को मोर्चा जिलाध्यक्ष सौभाग्य केशरी के नेतृत्व में शासकीय माध्यमिक विद्यालय में स्थापित अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा की साफ सफाई के साथ - साथ माल्यार्पण कर श्रद्धान्जलि अर्पित की गई। साथ ही स्कूल परिशर में स्वच्छता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, पार्षद राजेश सूर्यवंशी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अतुल श्रीवास्तव, जिला मंत्री गोकुल सिंह, शिवांक सिंह , युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सौरभ सिंह सोमू, मीडिया प्रभारी अमित गर्ग,आई टी संयोजक केके पांडेय, संजू मिश्रा, नारायण तिवारी, अजीत पांडे, विवेक यादव, शुभम यादव, मयंक सिंह, रोहित यादव, हिमांशु सिंह गहरवार सहित युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष शिविर 25 तक

नगर संवाददाता ■ सतना

मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम सतना क्षेत्र में विशेष आयुष्मान कार्ड निर्माण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 23 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक संजीवनी हॉस्पिटल पानी टंकी के पास भरहुत नगर सतना में आयोजित होगा।

सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना ने बताया कि इस विशेष शिविर में निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। यह पहल श्रमिकों को भविष्य में निःशुल्क एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने संजीवनी हॉस्पिटल पानी टंकी के पास भरहुत नगर सतना एवं आसपास के क्षेत्रों में निवासरत सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में शिविर स्थल पर उपस्थित होकर अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। आयुष्मान कार्ड बनने के बाद श्रमिक एवं उनके परिजन सरकार द्वारा निर्धारित अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा का लाभ प्राप्त कर सके।

अग्रवाल महिला मंडल ने की मंथली मीटिंग

नगर संवाददाता ■ सतना

समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था अग्रवाल महिला मण्डल द्वारा 22 जुलाई को मंथली मीटिंग का आयोजन अग्रसेन हॉल बूटी बाई में आयोजित की गई। अध्यक्ष सीमा व सचिव पूजा के नेतृत्व में जुलाई से सत्र 2026-27 द्वितीय सत्र शुरू हो रहा है। साथ ही हाऊजी व मनोरंजक गेम कराये गये। इस कार्यक्रम में बीओडी मणिका, नेहा, प्रीति, हेमा, मीना, मोनिका एवं पूर्वाध्याक्षां प्रतिमा, शशि, सरोज, शिल्पी, विनीता, मनीषा, संध्या, ममता, नीता, रश्मी, मृदुला, ज्योति रही।

भारतीय ब्राह्मण कल्याण महासंघ के तत्वाधान में होंगे श्रावण मास के हर सोमवार को शिवपूजन व अभिषेक

नगर संवाददाता ■ सतना

भारतीय ब्राह्मण कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रघुनाथ प्रसाद त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुयी जिसमें निर्णय लिया गया कि ब्राह्मण भवन, परशुराम धाम डिलौरा बायपास सतना में भगवान शंकर के मंदिर में श्रावण मास के चारों सोमवार को सुबह 8.30 से सुबह 10 बजे तक शिवपूजन एवं अभिषेक तथा सुबह 10 बजे से सुबह 11 बजे तक हवन का कार्यकम होगा।

उक्त कार्यक्रम में जिन श्रद्धालुओं को सम्मिलित होना हो वह पहुँचकर व सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं। बैठक में मुख्य रूप से भारतीय ब्राह्मण कल्याण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रघुनाथ प्रसाद त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष पं. राजेश द्विवेदी, राष्ट्रीय महामंत्री पं.हरी प्रकाश गोस्वामी, पं. राजाराम त्रिपाठी पूर्व महापौर, पं.आर.बी. चतुर्वेदी, पं.श्रीकांत द्विवेदी, पं. नरेन्द्र तिवारी, पं. चंद्रिका त्रिपाठी, पं.डॉ.डी.के. तिवारी, पं.श्रीकांत द्विवेदी, पं. नरेन्द्र तिवारी, पं. श्रीराम मिश्रा, पं. गणेश प्रसाद पाण्डेय, पं.विश्वनाथ उपाध्याय, पं. गोविंद प्रसाद त्रिपाठी, पं. जीतेन्द्र त्रिपाठी व पं. रामावतार त्रिपाठी उपास्थित रहे।

अब हर मंगलवार को प्रातः 10 बजे से जनसुनवाई अनिवार्य

नगर संवाददाता ■ सतना

आम जनता की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में निर्देशित किया गया है कि जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाए।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अनुविभाग स्तर पर पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन पत्रों का समय पर निराकरण नहीं किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

■ समय पर निराकरण नहीं होने पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, दिए निर्देश

कलेक्टर ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सतना को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारियों के साथ प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अपने कार्यालय के मीटिंग हॉल में उपस्थित रहकर जनसुनवाई आयोजित करें। इस दौरान आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

नशा मुक्ति अभियान : स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया नशामुक्ति का संदेश

नगर संवाददाता ■ सतना

पुलिस विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस, शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना में चित्रकला, निबंध, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर उन्हें सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. आर.एस. पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष प्रताप सिंह ने नशे के सामाजिक व स्वास्थ्य दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। संचालन डॉ. गरिमा सिंह ने किया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। पोस्टर व चित्रकला में मोहित कुशवाहा, निबंध में रुचि विश्वकर्मा तथा स्लोगन में विजय कुशवाहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयं सेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माई भारत पहल के तहत 'नशा मुक्त युवा–विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत सतना जिले में युवाओं के लिए विभिन्न जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करना, उनकी रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना तथा समाज में सकारात्मक और प्रेरणादायी संदेश प्रसारित करना है। इस अभियान में जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के सभी युवा, चाहे वे व्यक्तिगत रूप से हों या समूह में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है।

जिला अधिवक्ता परिषद् की संगठनात्मक बैठक संपन्न

नगर संवाददाता ■ सतना

जिला अधिवक्ता परिषद् की एक बैठक कचहरी परिसर में आयोजित की गई। बैठक में अधिवक्ताओं एवं संगठन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से यह निर्णय लिया गया कि स्टडी सर्किल का आयोजन प्रत्येक माह दो बार किया जाएगा, जिसके लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 28 जुलाई को अधिवक्ता मनोज पांडे के ग्राम महदेई में न्याय केंद्र का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर हाल ही में अधिवक्ता संघ के चुनाव में विजयी पदाधिकारियों सचिव दिनेश पांडे, उपाध्यक्ष के.के. पयासी तथा कोषाध्यक्ष वर्षा मिश्रा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

बैठक में जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा, महामंत्री आलोक अग्निहोत्री, प्रांतीय उपाध्यक्ष हर्ष तिवारी, जी.पी. रमेश मिश्रा, प्रतीक श्रीवास्तव, मनोज पांडे, पद्मधर द्विवेदी, उपेन्द्र तिवारी, संजीव मिश्रा, गिरजेश पांडे, राजेश मिश्रा, सुशील कुमार त्रिपाठी, धीरेन्द्र शर्मा, अखिलेश अवधिया, सुनील निगम, कमलेश द्विवेदी, राघवेंद्र सिंह, मुरारीलाल सोंधिया, मनोज त्रिपाठी, दिनेश शुक्ला, राकेश पाठक सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। बैठक में महिला अधिवक्ताओं ऋषिका पांडे, काजल विश्वकर्मा, दिव्या कुशवाहा, रंजना दहिया, अनुषी त्रिपाठी एवं कीर्ति पांडे की भी सक्रिय उपस्थिति रही। अंत में संगठन की एकता, अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के संकल्प के साथ बैठक का समापन किया गया।उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सुशील त्रिपाठी द्वारा दी गई।

महिला व बाल विकास विभाग की संवेदनशील पहल

डेढ़ वर्ष की मेहनत लाई रंग, दिव्यांग बालक को परिवार से मिलाया

नगर संवाददाता ■ सतना

यह कहानी एक ऐसे मानसिक रूप से दिव्यांग बालक की है जो अपने परिवार से बिछड़ गया था और लंबे समय तक उसकी पहचान एवं परिवार की खोज एक बड़ी चुनौती बनी रही। अंततः महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति एवं संबंधित संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से इस बालक का उसके परिवार से सफल पुनर्मिलन संभव हो सका। 7 जनवरी 2025 को एक आम नागरिक द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दी गई कि एक दिव्यांग बालक अपने परिजनों से बिछड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही जिला बाल संरक्षण इकाई सतना द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए बालक का रेस्क्यू किया गया और बाल कल्याण समिति सतना के आदेशानुसार उसे रीवा स्थित बाल गृह में देखरेख एवं संरक्षण हेतु आश्रय दिलाया गया। बालक अपनी पहचान के रूप में रवीश कुमार (परिवर्तित नाम) बताता था, किंतु उसके द्वारा दी गई जानकारी अपूर्ण होने के कारण उसके परिवार तक पहुंच पाना अत्यंत कठिन साबित हो रहा था। बाल कल्याण समिति, पुलिस प्रशासन एवं साइबर सेल के सहयोग से लगातार प्रयास किए गए, लेकिन प्रारंभिक स्तर पर कोई सफ्लता प्राप्त नहीं हुई।

ऐसे हुई पहचान

इस दौरान बालक का आधार पंजीयन दो बार कराया गया, जो तकनीकी कारणों से निरस्त हो गया। इसके पश्चात संस्था द्वारा बालक का जन्म प्रमाण-पत्र तैयार कराया गया तथा आवश्यक वैधानिक दस्तावेज संकलित कर पुनः आधार नामांकन कराया गया। इस प्रक्रिया के दौरान यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई कि बालक का आधार पहले से ही जारी है। लगातार प्रयासों के बाद आधार संख्या प्राप्त की गई, जिससे यह तथ्य उजागर हुआ कि बालक का वास्तविक नाम दिनेश कुमार (परिवर्तित नाम) है। यही जानकारी परिवार तक पहुंचने की महत्वपूर्ण कड़ी बनी।

बेटे को पाकर भावुक हुआ परिवार

आधार विवरण के आधार पर संबंधित ग्राम के सरपंच एवं सचिव के सहयोग से बालक के परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया। वीडियो कॉल के माध्यम से बालक एवं उसके परिवार की पहचान सुनिश्चित की गई। पहचान की पुष्टि होते ही बालक के माता-पिता, भाई–बहन एवं दादा बाल गृह पहुंचे। करीब डेढ़ वर्ष बाद अपने पुत्र को सामने देखकर माता–पिता की आंखों से खुशी के आंसू बह निकले। पूरा परिवार भावुक होकर बालक से लिपट गया।

लंबे समय से कर रहे थे तलाश

परिवारजनों ने बताया कि वे लंबे समय से उसकी तलाश कर रहे थे और विभिन्न स्थानों, यहां तक कि प्रयागराज तक खोजबीन कर चुके थे। 21 जुलाई 2026 को बाल कल्याण समिति सतना के आदेशानुसार बालक को उसके परिवार की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया। विदाई के समय बालक ने बाल गृह में रह रहे बच्चों एवं स्टाफसे भावुक होकर विदा ली, जो यह दर्शाता है कि उसे वहां परिवार जैसा स्नेह, सुरक्षा एवं अपनापन मिला था। परिवार ने इस पुनर्मिलन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं बाल गृह के प्रति आभार व्यक्त किया।

शांति समिति की बैठक में जगन्नाथ रथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर बनी सहमति

नगर संवाददाता ■ सतना

इस्कॉन मंदिर द्वारा 25 जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की विशाल रथ यात्रा को लेकर बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, कानून-व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम राहुल सिलाड़िया, नगर पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह एवं सिटी कोतवाली थाना प्रभारी डीएसपी रावेंद्र दुबेदी ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने आयोजन समिति से समन्वय बनाकर निर्धारित समय पर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस्कॉन मंदिर प्रभारी भागवत दास ने रथ यात्रा की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा 25 जुलाई को दोपहर 3 बजे जय स्तंभ चौक से प्रारंभ होकर स्टेशन रोड, सर्किट हाउस, ओवरब्रिज, सिविल लाइन, पन्ना नाका होते हुए होटल यूएसए के समीप स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचेगी, जहां धार्मिक कार्यक्रमों के साथ यात्रा का समापन होगा। आयोजन समिति के श्याम लाल गुप्ता (श्यामू) एवं संजय बड़ेरिया ने बताया कि प्रशासन द्वारा रथ यात्रा के प्रत्येक पहलू पर विस्तृत चर्चा कर सुरक्षा एवं यातायात की प्रभावी योजना बनाई गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

इस अवसर पर संजय बड़ेरिया, श्याम लाल गुप्ता (श्यामू), मनोज दुबे, चांदनी श्रीवास्तव, रामचरण गुप्ता, डॉ. दीपक सोई, ओमप्रकाश केसरवानी, नरेन्द्र जायसवाल, आशुतोष दुबे, सुरेश मोदी, प्रमोद गुप्ता, नवीन गुप्ता एवं संतोष विश्वकर्मा सहित आयोजन समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने 3 जुआरियों को दबोचा,साढ़े 4 हजार जब्त

रीवा। अमहिया थाना पुलिस ने डॉक्टर कॉलोनी के पास संचालित हो रहे जुआ फड़ पर दबिश देकर तीन लोगों को ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4,590 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए हैं। मामले में तीनों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि डॉक्टर कॉलोनी के पास कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी, जहां तीन लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शिवम सोनी पिता राजेंद्र सोनी, निवासी कटरा मोहल्ला, थाना सिटी कोतवाली रीवा; सुमित वर्मा पिता तेजबली वर्मा, निवासी पांडेय टोला, थाना सिटी कोतवाली रीवा; तथा सौरभ साहू पिता केश कुमार साहू, निवासी तरहटी, थाना सिटी कोतवाली रीवा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की तलाशी लेकर जुआ फड़ से कुल 4,590 रुपये नकद एवं 52 ताश के पत्ते बरामद किए।

जिला स्तरीय समिति गठित

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार जिला स्तरीय वॉश तकनीकी समिति का गठन किया गया है। यह समिति पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य की निगरानी करेगी। समिति का अध्यक्ष जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर को बनाया गया है। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा बीडी कोरी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में जिला महाप्रबंधक जल निगम, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत वीबी जीराम जी, लेखाधिकारी जिला पंचायत तथा जिला वॉश प्रभारी को शामिल किया गया है। यह समिति बड़े सुधार कार्यों के लिए प्रत्येक जनपद स्तर पर तीन से पाँच तक एजेंसियों को सूचीबद्ध करेगी। समिति के सदस्य सचिव टेंडर संबंधी कार्यवाही पूरी करके समिति से अनुमोदन के पश्चात कार्य कराएंगे। समिति नल.जल योजनाओं के संचालन और संधारण के लिए ग्राम पंचायत के पदाधिकारियोंए जल समिति के सदस्यों तथा पंप आपरेटरों के प्रशिक्षण का भी आयोजन करेगी।

[कार्रवाई] जनेह पुलिस ने लूटे गये सोने की लॉकेट और बाइक बरामद की

दम्पत्ति के साथ लूट करने वाले आरोपी पहुंचे सीखचों के पीछे

नगर संवाददाता, रीवा। पुलिस ने जनेह थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। यूपी के आरोपियों ने बाइक सवार पति पत्नी के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए दो सोने के लॉकेट तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। जनेह पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने फरियादी मुकेश वर्मा 32 वर्ष पिता रामअवतार वर्मा निवासी पनिहाई, थाना बरगढ़, जिला चित्रकूट (उत्तर प्रदेश) के साथ वारदात को अंजाम दिया था। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 16 जुलाई को वह अपनी पत्नी मीरा देवी और बच्चे शनि कुमार के साथ मोटरसाइकिल से शंकरगढ़ स्थित सिद्धिविनायक हीरो एजेंसी से दस्तावेज लेकर वापस लौट रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे पटहट चौराहे से सूती रोड पर पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने उनकी बाइक रोक ली। इसके बाद आरोपियों ने जेब से 1000 रुपये निकाल लिए साथ ही पत्नी मीरा देवी के साथ मारपीट की तथा गले में पहनी मोतियों की माला, जिसमें तीन सोने के लॉकेट लगे थे, छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर दंपति को धक्का देकर दो सोने के लॉकेट लेकर फरार हो गए, जिससे महिला के सिर में चोट भी आई।

इन बदमाशों ने दिया था घटना को अंजाम

बताया गया कि मामले में जनेह पुलिस ने धारा 309(6) बीएनएस एवं 11/13 म.प्र. डकैती एवं व्यपहरण प्रभावित क्षेत्र अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया सामान बरामद किया। आरोपियों में वैभव केशरवानी 19 वर्ष पिता तीरथ प्रसाद केशरवानी व निखिल रजक 20 वर्ष पिता स्व. शिवनरेश रजक दोनों निवासी रेलवे फाटक के पास, शंकरगढ़ को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेजा गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गये दो सोने के लॉकेट तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, जिसकी कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई है,को जप्त कर लिया गया है।

युवाओं को नशे से दूर रखने खेल प्रतियोगिता बड़ा आधार

स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में खेल की विभिन्न विधाओं का आयोजन

नगर संवाददाता, रीवा। मध्यप्रदेश पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत रीवा जिले में युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रीवा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने प्रतिभागियों और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी डॉ. गुरकरन सिंह ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है, जबकि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवाओं से खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों को अपनाकर नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। अभियान के तहत थाना मनगवां, थाना गोविंदगढ़ तथा टीआरएस कॉलेज रीवा में भी खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में युवाओं और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभागियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए खेलों से जुडने् और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

सरपंच ने किसान सम्मान निधि के नाम वृद्ध की हड़प ली जमीनःआरोप

नगर संवाददाता,रीवा। नईगढ़ी क्षेत्र के ग्राम हकरिया नंबर-1 निवासी 80 वर्षीय जोखू जायसवाल ने ग्राम पंचायत के सरपंच पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर कथित रूप से उनकी पुश्तैनी जमीन अपने नाम कराने का आरोप लगाया है। बुजुर्ग का कहना है कि उन्हें योजना से संबंधित दस्तावेज बताकर हस्ताक्षर कराए गए, लेकिन बाद में जानकारी मिली कि जमीन की रजिस्ट्री किसी अन्य के नाम हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी जानकारी दिए बिना उनकी पुश्तैनी जमीन का हस्तांतरण कर दिया गया। जोखू जायसवाल ने अपर कलेक्टर को लिखित आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच, कथित फर्जी रजिस्ट्री निरस्त करने तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ढाई सैकड़ा बकरियों से भरे ट्रक को पुलिस ने पकड़ा, आधा दर्जन गिरफ्तार

नगर संवाददाता, रीवा। पुलिस ने पशु क्रूरता के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 250 से अधिक बकरियों की जान बचाई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में गुढ़ थाना पुलिस ने बकरियों से भरे एक ट्रक को पकड़कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, गुढ़ थाना प्रभारी पुष्पेंद्र यादव ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की। ट्रक में क्षमता से अधिक करीब 250 से ज्यादा बकरियों को बेहद अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बकरियों को नागपुर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर उसमें सवार छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बरामद सभी बकरियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनके संरक्षण की व्यवस्था की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि बकरियों को कहां से लाया गया था और इन्हें नागपुर किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था।

तार व बाड़ी लगाकर बंद किये गये पीसीसी सड़क को प्रशासन ने खुलवाया

रीवा। त्योंथर जनपद की ग्राम पंचायत वरहट में शासकीय पीसीसी सड़क पर तार और बाड़ लगाकर रास्ता बंद किए जाने की शिकायत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासन ने रास्ते को खुलवा दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि गांव के एक व्यक्ति ने सड़क पर अतिक्रमण कर दिया था, जिससे पूर्व टोला के लगभग 500 घरों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया था। सड़क बंद होने से दोपहिया और चार पहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया था। ग्रामीणों ने बताया कि रास्ता बंद होने से एम्बुलेंस, स्कूली वाहन और अन्य जरूरी सेवाओं के आवागमन पर भी संकट पैदा हो गया था। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से शासकीय सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी मिलते ही कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने तत्काल तहसीलदार और पुलिस बल को मौके पर भेजा। प्रशासनिक टीम ने सड़क पर लगाए गए तार और बाड़ को हटवाकर शासकीय मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। कार्रवाई के बाद सड़क पर आवागमन फिर से शुरू हो गया और ग्रामीणों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई पर संतोष जताया।

जिले में अब तक 127.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में एक जून से अब तक 127.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 22 जुलाई को 3.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक तहसील हुजूर में 132.3 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 116.7 मिलीमीटर, गुढ़ में 300 मिलीमीटर, सिरमौर में 122.4 मिलीमीटर, त्योंथर में 27 मिलीमीटर, सेमरिया में 137 मिलीमीटर, मनगवां में 61 मिलीमीटर तथा तहसील जवा में 123 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

आंदोलनकारियों पर लाठी चार्ज करना निंदनीयः प्रमोद शर्मा

नगर संवाददाता,रीवा। रीवा के इंडियन कॉफी हॉउस में आम आदमी पार्टी ने प्रेस वार्ता का आयोजन कर मोदी सरकार के ऑडियल, अलोकतंत्र कार्यवाही से देश मे बिगड़ते माहौल के लिए जिम्मेदार बताया। प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद शर्मा ने कहा कि 20 जुलाई को निहत्थे छात्र,अभिभावक आंदोलनकारियों को मोदी सरकार के इशारे पे लाठी चार्ज,अंशु गैस , दमन के साथ आवाज को कुचलने का असफल प्रयास इस प्रकार का कृत्य किया है, वह न केवल अशोभनीय है, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी विपरीत और अत्यंत निंदनीय है। प्रधानमंत्री जिस गरिमा का पद है, उस पद मे बैठ कर इस तरह का अत्याचार किसानों ,युवाओं के साथ करना मतलब नरेन्द्र मोदी इस पद को गंभीरता से नहीं लेते हैं, ये उनके इस पद मे रहते हुए देश वासियो के साथ व्यवहार में साफ दिखाई दे रहा है। लोकतंत्र में हर गलत रीती नीति, का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन विरोध करने पर सरकार द्वारा अराजकता, द्वेषपूर्ण,दमनकारी कार्यवाही करना निंदनीय है। प्रेस वार्ता मे प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद शर्मा, प्रदेश युथ उपाध्यक्ष विनायक तोमर, प्रदेश जॉइंट सेकेंटरी,यूथ विंग ब्रज गोपाल मिश्रा, जिला संगठन मंत्रीरवि मिश्रा, जिला शिक्षा विंग अध्यक्ष शिवम् भरद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी विंग सुधीर साहू,बीके त्रिपाठी, सीएम गुप्ता, विजय कांत तिवारी, शिवम् समदड़िया मौजूद रहे।

रिमाण्ड खत्म होने के बाद सलाखों के पीछे भेजे गये अवैध हथियार के तस्कर

बदमाशों के मोबाइल ने खोले सम्पर्क के राज

नगर संवाददाता,रीवा। अवैध हथियार तस्करी मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे दोनों आरोपियों को पूछताछ पूरी होने के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। रिमांड के दौरान हुई पूछताछ में पुलिस को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर अब पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश तेज कर दी गई है।

तत्संबंध में बताया गया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों के पास से मिले मोबाइल फोन की जांच में कई मोबाइल नंबर, व्हाट्सएप चैट और इंस्टाग्राम से जुड़े लिंक एवं संपर्क सामने आए हैं। जांच एजेंसियां इन डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी किन-किन लोगों के संपर्क में थे और अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त का नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है। बताया जा रहा है कि पुलिस को मिले मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया अकाउंट के आधार पर कई संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। तकनीकी टीम इन नंबरों की कॉल डिटेल, चैट हिस्ट्री और अन्य डिजिटल गतिविधियों की जांच कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि जांच में अवैध हथियार कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि चोरहटा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 देशी पिस्टल, 4 जिंदा कारतूस, 15 लोहे की मैग्जीन बरामद की थी। आरोपी धार से असलहे लेकर आए थे। पुलिस ने मामले में आरोपी रोशन गुप्ता निवासी अमहिया व मोहम्मद मंजर अंसारी निवासी निरालानगर को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों पर पूर्व से भी कई आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध थे, फिलहाल दोनों आरोपियों को अब जेल पहुंचा दिया गया है।

गिरोह की कड़ियों को जोड़ने में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल दो आरोपियों तक सीमित नहीं रहेगी। जांच में जो भी व्यक्ति अवैध हथियारों की खरीद, बिक्री, सप्लाई या नेटवर्क संचालन में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर पूरे गिरोह की कड़ियां जोडने् में जुटी हुई है। मामले में जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

समस्या

रीवा। रीवा जिले की ग्राम पंचायत रौली में पुल न होने की वजह से गांव के लोगों ने मिल कर नदी में लकड़ी का पुल बनाया है। जान को जोखिम में डालकर प्रतिदिन बच्चे इसी पुल से होकर निकालते हैं। आजादी के इतने दिनों के बाद भी गांवों की इस दुर्गति के लिए कौन जिम्मेदार है?

कृषि उपज मंडी तथा कृषि विपणन बोर्ड के कार्यों की समीक्षा की

किसानों को बिना परेशानी के उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिले : कमिश्नर

नगर संवाददाता ■ रीवा

सभी किसान बिना परेशानी एवं कठिनाई के अपनी उपज बेच सकें। उन्हें अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। सभी किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिले। किसानों के बीच सक्रिय बिचौलियों को प्रतिबंधित करें। छोटे व्यापारियों को भी प्राथमिकता से लाइसेंस प्रदान करें। उक्त निर्देश रीवा संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने बुधवार को कृषि उपज मंडी तथा कृषि विपणन बोर्ड के कार्यों की समीक्षा बैठक में सभी मंडी सचिवों को दिए। कमिश्नर ने कहा कि यदि किसानों को मंडी में उपज बेचने के लिए सभी सुविधाएं मिलेगी तो किसान समृद्ध होंगे। किसानों की स्थिति में सुधार होगा और कृषि उपज मंडी एवं उप मंडी को टैक्स की प्राप्ति होगी। इससे मंडियो की आय में भी बढ़ोतरी होगी। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने मंडी सचिवों से कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए किसानों को मंडी में हर प्रकार की सुविधा दें। जब किसान अपनी उपज लेकर मंडी में आए तो उसके प्रवेश करने, उपज तौलने एवं ट्रांजैक्शन के टाइम में अनावश्यक समय न लगे। ट्रांजैक्शन टाइम कम रहे। वर्तमान में किसानों को मंडी में 10 से 12 घंटे अपनी उपज बेचने में लग जाते हैं। इस स्थिति पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कमिश्नर ने सभी मंडी सचिवों को निर्देश दिए कि ट्रांजैक्शन टाइम में व्यापक स्तर पर सुधार करें। किसानों को अनावश्यक रूप से मंडी में न बैठना पड़े। उनकी उपज की तुलाई कम समय में प्राथमिकता से करें। कमिश्नर ने इसके लिए सभी सुविधाएं बनाने के निर्देश मंडी सचिवों को दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त (विकास) वीरेंद्र पटेल व दिव्या त्रिपाठी, संभागीय सचिव आनंद शर्मा, उप संचालक करुणेश शर्मा सहित रीवा संभाग के 11 कृषि उपज मंडी एवं उप मंडी के सचिव उपस्थित रहे।

प्रोसेसिंग यूनिट से आय दोगुनी करें

कमिश्नर ने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उन्हें एआईएफयोजना के अंतर्गत विभिन्न प्रोसेसिंग यूनिट जैसे रेशम उत्पादन, शहद प्रसंस्करण, मशरूम की खेती, पौध संगरोध इकाईयां बनाने, बीज संग्रहण करने और अन्य यूनिट लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि एआईएफ योजना अंतर्गत किसान विभिन्न प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर अपनी आय दुगुनी कर सकते हैं। उन्होंने एआईएफयोजना का किसानों के बीच व्यापक प्रचार.प्रसार करने के लिए सभी मंडी एवं उप मंडी में फ्लैक्स लगाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी मंडी सचिवों को निर्देशित किया कि वह इस योजना का किसानों के बीच व्यापक प्रचार करना सुनिश्चित करें।

नोटिस देने के निर्देश

कमिश्नर ने कहा कि यदि किसी मंडी प्रांगण में अतिक्रमण है तो सचिव मंडी एक्ट का उपयोग करते हुए प्राथमिकता से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। चाकघाट मंडी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के संबंध में संतोंषजनक जवाब न देने पर कमिश्नर ने मंडी सचिव को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडी सचिव इस अतिक्रमण को सात दिन में हटाएं। कमिश्नर ने संभागीय सचिव को भी निर्देश दिए कि वह जिन मंडियो में अतिक्रमण है वहां का सीमांकन कराते हुए अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाना सुनिश्चित करें।

निर्माणाधीन कार्य की समीक्षा

कमिश्नर ने मंडी एवं उपमंडी प्रांगण में निर्माणाधीन कार्य की स्थिति की समीक्षा की एवं निर्देश दिए कि रीवा मंडी जो अभी ग्रेड सी में है उसे ग्रेड ए में लाने के लिए विशेष प्रयास करें। साथ ही अन्य कृषि उपज मंडी जो बी ग्रेड में हैं उन्हें भी ए ग्रेड में लाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी मंडी सचिव किसानों से सतत संपर्क में रहें और उनसे संवाद कर कृषि उपज मंडी में ही अपनी उपज बेचने के लिए प्रेरित करें।

घर बैठे उपज बेचने की सुविधा

बैठक में कमिश्नर ने एमपी फार्म गेट एप की समीक्षा की। एमपी फॉर्म गेट एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे अपनी उपज व्यापारियों को बेचने की सुविधा मिलती है और मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने किसानों को यह सुविधा प्रदान की है कि वह अपने घर, खलिहान या गोदाम से सीधे व्यापारियों को अपनी उपज बेच सकते हैं। कमिश्नर ने संभागीय मंडी सचिव को निर्देश दिए कि समन्वय बनाकर किसानों की उपज बेचने की क्षमता का आकलन करें और व्यापारियों को उपज खरीदने के लिए प्रेरित करें।

बच्चों पर पड़ने वाली लाठियां सरकार को भारी पड़ने वाली हैंः लक्ष्मी परिहार

नगर संवाददाता,रीवा। प्रदेश सचिव लक्ष्मी सिंह परिहार ने दिल्ली के जंतर-मंतर में चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि स्टूडेंट प्रोटेस्ट अपने हक लिए आवाज उठा रहे है, पीएम मोदी अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान को स्तीफा देना होगा, बच्चों को पड़ने वाली लाठियां बीजेपी को भारी पड़ने वाली है। सत्ता की सबसे बड़ी हार तब होती है, जब वह जनता के सवालों का जवाब शब्दों से नहीं, लाठियों से देने लगती है। हर जख्म इंकलाब की आवाज बनकर गूंजेगा, कल दिल्ली जंतर-मंतर की तस्वीरों ने दिल दहला दिया, जिन हाथों में किताबें होनी चाहिए थी, उनके जिस्मों पर चोटों के निशान नज़र आए? कल जिन सिरों से खून बहा, जिन कंधों को तोड़ा गया, जिनके सीनों और पैरों पर लाठियाँ बरसीं, उनमें दर्द भी था और आंखों में आँसू भी, एक माँ ने अपने बेटी को इस उम्मीद से बड़ा नहीं किया था कि उसके हिस्से में लाठियां आएंगी, एक बूढ़े बाप ने अपनी जिंदगी का पसीना इस दिन के लिए नहीं बहाया था कि उसके बेटे के जिस्म पर ज़ख्मों के निशान गिने जाए, क्या सवाल पूछने की कीमत खून और चोट होगी? हर घायल युवा के पीछे एक माँ की दुआ है, एक पिता की मेहनत है, एक परिवार का सपना है। याद रखिए लाठियां शरीर को घायल कर सकती है, लेकिन जागे हुए युवाओं के इरादों को नहीं। देश इन युवाओं का भी है, और इनकी आवाज़ को सुना जाना चाहिए। जो सरकार अपनी जनता की आवाज़ से डर जाए वह निकम्मी सरकार है, बच्चे पढ़ाई पर तो ही सवाल करने आए थे कि पेपर लीक क्यों हो रहे है।

संपादकीय

अनुसंधान का नया आसमान

भारत के निजी क्षेत्र ने अंतरिक्ष में भी प्रवेश कर लिया है। 'विक्रम-1' और 'मिशन आगमन' ने सर्वप्रथम सफलता हासिल की है, जब एक निजी कंपनी के रॉकेट ने अंतरिक्ष तक सफल उड़ान भरी और पृथ्वी की निश्चित कक्षा में स्थापित किया। यह सफल प्रयोग और प्रक्षेपण 'स्काईरूट एयरोस्पेस' नामक निजी कंपनी ने किए हैं। यह पूर्णतः स्वदेशी तकनीक का रॉकेट था, जिसे पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचा कर इस कंपनी के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इतिहास रचा है, अंतरिक्ष को एक बार फिर खंगाला है तथा अनुसंधान को वाकई एक नया आसमान दिया है। अभी तक अंतरिक्ष में प्रक्षेपण का काम 'इसरो' ही करता रहा था, जो एक सरकारी संस्थान है, लिहाजा उसे सरकार एक निश्चित बजट मुहैया कराती रही है। इसरो ने अंतरिक्ष में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, लेकिन निजी क्षेत्र को अनुमति देना और फिर एक निजी कंपनी द्वारा रॉकेट भेजने के संकल्प को साकार करना वाकई अद्‌भुत, अप्रतिम, अनिर्वचनीय है। जाहिर है कि अवसरों के आसमान खुले हैं और इस क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं भरपूर हैं। 'विक्रम-1' की ऐतिहासिक सफलता तब हासिल की गई है, जब करीब 120 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इसरो से इस्तीफे दे दिए हैं अथवा वीआरएस ले लिया है। यह विदाई या अलगाव बेहद चिंताजनक माना गया, क्योंकि ये तकनीकी चेहरे भारत के 'चद्रयान-4' और 'गगनयान' जैसे विराट, दुस्साध्य अंतरिक्ष कार्यक्रमों से जुड़े थे। वे सभी कार्यक्रम अपने अंतिम और निर्णायक चरण में हैं। इस्तीफा देने वाले कई इसरो वैज्ञानिक और इंजीनियर अंतरिक्ष संबंधी स्टार्टअप्स से जुड़ गए। 'विक्रम-1' भेजने वाली 'स्काईरूट एयरोस्पेस' कंपनी की स्थापना भी 2018 में पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी, जिन्होंने इसरो की नौकरी छोड़ी थी और यह स्टार्टअप शुरू किया था। इसरो से कुछ चेहरे विदाई लेते हैं, तो उसे 'राष्ट्रीय क्षति' नहीं मानना चाहिए। वे किसी स्टार्टअप अथवा निजी कंपनी से जुड़ना चाहें, तो इसरो को उन्हें एक निश्चित अवधि तक अनुमति दे देनी चाहिए, ताकि वे अपनी पेशेवर क्षमताओं का विस्तार कर सकें और आर्थिक रूप से अधिक समृद्ध हो सकें। 'विक्रम-1' परोक्ष रूप से इसरो का ही सृजन है, लिहाजा निजी क्षेत्र को भी 'राष्ट्रीय विस्तार' मानना चाहिए, क्योंकि अंतरिक्ष में, अंततः भारतीय 'तिरंगा' ही जाता है। यह डा. विक्रम साराभाई की ही विरासत है, जिन्होंने इसरो की स्थापना की और अंतरिक्ष कार्यक्रम को शुरू किया। निजी क्षेत्र की यह अंतरिक्ष-सफलता अमरीका और चीन के बाद भारत ने ही हासिल की है। कितना गर्व और गौरव महसूस होना चाहिए? प्रधानमंत्री मोदी ने ऑडियो संदेश के जरिए 'मिशन आगमन' की टीम को बधाई दी है, राष्ट्र-निर्माण और आत्मनिर्भरता में उनकी भूमिका को सराहा है और प्रधानमंत्री आवास पर मुलाकात का न्यौता दिया है। यह बेहद महत्वपूर्ण शुरुआत है। भारत में भी अंतरिक्ष से जुड़ा एक बाजार खुलेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम अपनी सेवाएं दे सकेंगे। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष में कुछ पेलोड भेजे गए हैं। मसलन-इन ऑर्बिट रोबोटिक आर्म, भविष्य के मिशनों के लिए उपग्रह प्रणालियों का टेस्ट करेगा क्यूबसैट, नई अंतरिक्ष तकनीकों के सत्यापन के लिए टेस्ट सैटेलाइट, पिन पुलर एवं रिलीज नट सैटेलाइट छोड़ने के मैकेनिज्म के प्रभाव जांचेगा और 32 हीरों से बना कमल। भारत के दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में कुछ दिन बिता कर अध्ययन कर चुके हैं। शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय रहे, जो करीब 18 दिन तक अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर रहे और 'तिरंगा' लहराते रहे। संभवतः वह 'गगनयान' में भी अपना योगदान देंगे। एक साथ 100 से अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने का कीर्तिमान भी भारत के नाम है। उम्मीद है कि एक दिन भारत 'अंतरिक्ष महाशक्ति' भी बन सकता है।

अस्मिता को निगलती पर्यटन संस्कृति

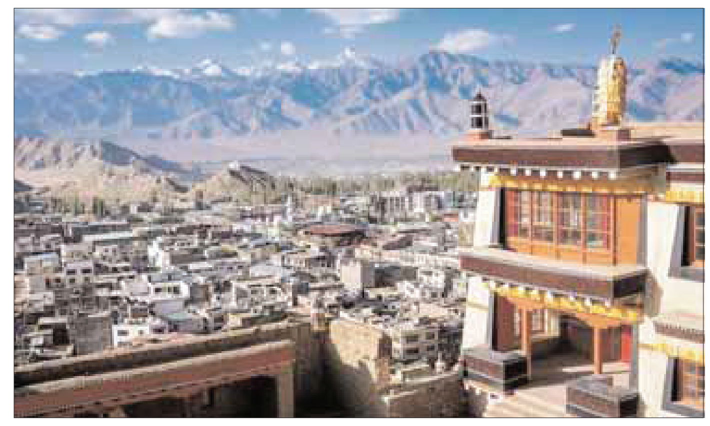

लेह प्रशासन बड़े गर्व से बता रहा है कि पिछले साल की तुलना में इस बार लेह-लद्दाख में 44 फीसदी अधिक पर्यटक आए। हिमालय की गोद में बसा केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख पिछले कुछ सालों में एक बड़े वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। हर साल गर्मी का मौसम आते ही यहां सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। पर्यटन ने प्रदेश की आमदनी में उल्लेखनीय इजाफा किया है। लेकिन इस आर्थिक समृद्धि के पीछे एक ऐसा स्याह सच भी छिपा है, जो लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए किसी गंभीर खतरे से कम नहीं है। विडंबना यह है कि जिसे कभी 'शांग्री-ला' यानी पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता था, वह आज अनियंत्रित पर्यटन के कारण उपजे कचरे, पानी की किल्लत, बिजली के संकट और वाहनों के धुएं से हांफ रहा है।

लेह-लद्दाख में लगभग 670 होटल बन गए हैं और इनमें से 60 फीसदी लेह शहर में हैं। चूंकि अधिकांश पर्यटक सबसे पहले लेह ही आते हैं और उन्हें कम से कम दो दिन वहीं रुकने की सलाह दी जाती है ताकि उनका शरीर वहां के परिवेश के अनुरूप खुद को ढाल सके, सो लेह पर वहां की मूल आबादी से तीन गुना बाहर से आए लोगों का बोझ सदा बना रहता है, जिनमें 50 हजार तो प्रवासी मजदूर ही हैं। जान लें इस इलाके में कहीं हरियाली दिखती नहीं। यह बर्फीला रेगिस्तान है। समुद्र तल से कोई 11 हजार फुट ऊपर बसे लेह में यहां सालाना बारिश मात्र 10 सेंटीमीटर होती है। लेह शहर में सिंधु नदी से पानी की आपूर्ति होती है लेकिन इतने सारे होटल बोरवेल पर निर्भर हैं।

लद्दाख इस समय अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। शीत मरुस्थल होने के कारण लद्दाख हमेशा से पानी के लिए ग्लेशियरों के पिघलने और सीमित बर्फबारी पर निर्भर रहा है। पारंपरिक रूप से लद्दाख के लोग शुष्क शौचालयों का उपयोग करते थे, जिसमें पानी की आवश्यकता नहीं होती थी। लेकिन पर्यटकों की आधुनिक सुविधाओं और होटलों की मांग के कारण पारंपरिक व्यवस्था की जगह 'फ्लश टॉयलेट' ने ले ली है। एक स्थानीय लद्दाखी जहां गर्मियों में औसतन 21 लीटर पानी का उपयोग करता है, वहीं एक पर्यटक प्रतिदिन करीब 75 लीटर पानी सोख लेता है। लेह में होटलों और गेस्ट हाउसों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिन्होंने पानी की भारी मांग को पूरा करने के लिए अंधाधुंध कमर्शियल बोरवेल खोद डाले हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि लेह का भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और प्रशासन को पानी की राशनिंग करने के साथ-साथ टैंकरों के जरिए जलापूर्ति करनी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम होती बर्फबारी और पर्यटन के अत्यधिक दबाव ने पानी की इस कमी को जीवन-मरण का प्रश्न बना दिया है।

दरअसल, पर्यटन बढ़ने से हिमालय के पहाड़ों पर कचरे का संकट बढ़ता है। हालांकि अभी लेह प्रशासन ने समूचे इलाके में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के आदेश जारी किये हैं लेकिन अभी उसका कोई जमीनी असर दिख नहीं रहा। टूरिस्ट सीजन में लेह पर करीब 247 टन कचरे का अतिरिक्त बोझ बढ़ जाता है। म्युनिसिपल कमेटी के अनुसार सर्दियों में कचरे की मात्रा गर्मियों की तुलना में सिर्फ 25 प्रतिशत ही रह जाती है। यह समस्या तब और विकराल हो जाती है जब लद्दाख की भौगोलिक ऊंचाई और कड़ाके की ठंड इसमें अड़चनें पैदा करती हैं। यद्यपि साल 2020 में स्कम्पारी में सौर ऊर्जा से संचालित 30 टन क्षमता का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया गया है, लेकिन शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान में गीला कचरा पूरी तरह जम जाता है। अत्यधिक ठंड और ऊंचाई के कारण मजदूरों की कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे कचरे की प्रोसेसिंग में देरी होने लगती है। सबसे खराब स्थिति सर्दियों में भारी बर्फबारी के दौरान होती है, जब कचरा इकट्ठा करने वाले ट्रकों की आवाजाही ठप हो जाती है।

एक तरफ बढ़ते पर्यटक हैं और फिर उनकी सुविधाओं के लिए बिजली की मांग बढ़ती है वहीं लद्दाख के पास अपनी सीमित पनबिजली और सौर ऊर्जा प्रणालियां हैं, जो इस अचानक बढ़ी मांग को पूरा करने में हांफने लगती हैं। गर्मियों में जब होटलों, रेस्टोरेंट्स और होमस्टे में पर्यटकों की भीड़ होती है, तब बिजली की मांग अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाती है। पीक सीजन में इस कमी को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर डीजल जेनरेटरों का सहारा लिया जाता है। ये जेनरेटर न केवल भारी मात्रा में ईंधन की खपत करते हैं, बल्कि लद्दाख की शांत और स्वच्छ हवा में लगातार कार्बन और कानफोड़ू शोर घोलते रहते हैं। बिजली के इस अस्थायी और प्रदूषणकारी विकल्प ने शांत वादियों के पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है।

इस पूरे संकट में वाहनों से निकलने वाला धुआं आग में घी का काम कर रहा है। पैंगोंग त्सो, नुब्रा वैली और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की यात्रा के लिए हर दिन सैकड़ों डीजल चालित एसयूवी, टैक्सियां और कमर्शियल गाड़ियां लेह की सड़कों से गुजरती हैं। इन जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के अनियंत्रित काफिलों के कारण लेह में न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है, बल्कि इनसे निकलने वाला काला कार्बन (सूट) और धुआं हवा को प्रदूषित कर रहा है। यह काला कार्बन हवा में तैरकर आसपास के ग्लेशियरों पर जमा हो रहा है। ग्लेशियरों की सतह काली होने के कारण वे सूरज की रोशनी को परावर्तित करने के बजाय अधिक गर्मी सोख रहे हैं, जिससे उनके समय से पहले और तेजी से पिघलने का खतरा पैदा हो गया है। यह चक्र अंततः लद्दाख के पूरे जल विज्ञान और जीवन चक्र को नष्ट कर सकता है।

वर्तमान परिदृश्य में लद्दाख में पर्यावरण शुल्क जैसी नीतियां भी खामियों से भरी हैं, क्योंकि यह केवल लेह से बाहर जाने वालों के परमिट पर लागू होती हैं, जबकि सिर्फ लेह आकर प्रदूषण फैलाने वाले पर्यटकों से कुछ नहीं वसूला जाता। पर्यटन से होने वाली आमदनी का स्वागत है, लेकिन यह स्थानीय लोगों के जीवन की कीमत पर नहीं होना चाहिए। जब तक पर्यटक जिम्मेदार नहीं होंगे और प्रशासन कचरे, पानी, बिजली और वाहनों के धुएं के लिए एक एकीकृत मास्टर प्लान नहीं बनाएगा, तब तक इस नाजुक हिमालयी क्षेत्र को तबाही की तरफ बढ़ने से रोकना नामुमकिन होगा।

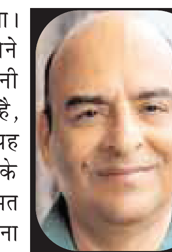

पंकज चतुर्वेदी

लेखक पर्यावर्णीय मामलों के जानकार हैं।

अल्फा जेनरेशन को भाती है अपनी कल्पना की उड़ान

पिछले दिनों राष्ट्रपति भवन में दो दिन बच्चों को कहानी सुनाने और उनके साथ समय बिताने का अवसर मिला। अक्सर ऐसे कार्यक्रमों में जाना होता है जहां बहुत से बच्चे होते हैं, जिनमें दो-तीन साल के शिशु से लेकर चौदह-पंद्रह साल के बच्चे शामिल हैं। उनसे खूब बातें होती हैं। उनके साथ खेलना होता है। वे क्या पढ़ते हैं, इस बारे में भी अवश्य पूछती हूं। ये वे बच्चे हैं, जिनके माता-पिता युवा हैं। इनमें से भी बहुतों को कहानियां सुनाई हैं। आज उनके बच्चे सामने हैं, जिन्हें अल्फा जेनरेशन कहा जाता है। इस पीढ़ी के बारे में मशहूर है कि यह तो मोबाइल फोन ही हाथ में लेकर जन्मी है। यानी कि कोई भी सूचना इनके लिए नई नहीं है। जब हैरी पॉटर ने धूम मचाई थी, उस समय एक बड़ा लेख लिखा था कि इसकी सफलता का कारण हार्श मार्केटिंग, वर्ल्ड वाइड लांच और बुक स्टोर्स को पांच हजार पार्टियां देने के अलावा, यह भी था कि पश्चिम के बच्चे, तमाम तरह के गिजमोज और तकनीक से ऊब चुके थे। उन्हें जीवन में ऐसा कुछ चाहिए था, जिससे वे रोमांचित हो सकें। एक जमाने में अपने यहां बाल साहित्य को लेकर दो धाराओं में काफी बहस होती रही है। एक धारा कहती थी कि बच्चों को राजा-रानी, परी कथाएं, जिनके पात्र सिर्फ परियां ही नहीं, राक्षस, बौने, जादूगर, कोई चलने वाला पेड़, कोई बोलने वाला बाघ आदि होते थे, सुनाई जानी चाहिए। दूसरी धारा कहती थी कि बच्चों को वे कहानियां नहीं सुनाई, पढ़ानी चाहिए, जिनमें चमत्कार हों। वे चमत्कार की तरफ झुकें। तरह-तरह के अंधविश्वास उनके मन में न घर करें। इसलिए उन्हें वे कहानियां दें, जो उनके दैनंदिन जीवन से जुड़ी हों। यानी कि यथार्थवादी हों। क्योंकि बच्चे किसी चमत्कार के जरिए जीवन में सफलता नहीं प्राप्त कर सकते। परिश्रम से ही उन्हें सफलता मिलती है। ये बात सच भी है कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं और कोई चमत्कार बच्चे को सफलता दिलवा सकता है। और ऐसा भी नहीं है कि बच्चे इन बातों को जानते नहीं हैं कि अगर पढ़ेंगे नहीं, तो सफल होना मुश्किल है। अपनी नौकरी के दौरान पाया कि जब भी यथार्थवादी कहानियों पर अंक निकाले, उन्हें वह सफलता नहीं मिली जितनी कि राजा, रानी, वेद, पुराण, उपनिषद, कथा सरित्सागर, राजतरंगिणी, महाभारत, पंचतंत्र, हितोपदेश या ईसप की कथाओं को मिली। कई बार तो ऐसा हुआ कि ये अंक इतने बिके कि दोबारा छापने पड़े। इसके अलावा दैनंदिन जीवन की कथाएं कि बच्चों के बस्ते का बोझ कितना ज्यादा है, उन्हें पढ़ने में कितनी मेहनत करनी पड़ती है, उन्हें अपने मित्रों से किस तरह के धोखे मिलते हैं, या कि किसी गरीब बच्चे के जीवन में कितनी कठिनाइयां हैं, इन्हें आम तौर पर बच्चे सुनना नहीं चाहते। इससे ये निष्कर्ष भी निकला कि बच्चे जिन आफतों को रोजमर्रा के जीवन में भुगत रहे हैं, अगर आप उनका मनोरंजन करने आए हैं और उन्हें कहानियां भी यही सुना रहे हैं, तो वे हूट कर देते हैं। फिर जिस वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, तार्किकता को बढ़ाने आदि की बातें की जाती हैं, उनमें एक दिक्कत यह भी है कि विज्ञान प्रति पल बदलता है। आज एक खोज कुछ कहती है, तो दूसरी खोज बिल्कुल उसके विपरीत बातें करती हैं, तो आखिर किस बात को सच माना जाए। जिन्हें परीकथा कहा जाता है, वहां भी तर्क नहीं होता, ऐसा नहीं कहा जा सकता। जिसे फेंटेसी कहा जाता है, वहां भी किसी कहानी में अच्छाई पर बुराई की विजय नहीं दिखाई जाती। न ही यह बताया जाता है कि सच के मुकाबले झूठ बोलना कितनी अच्छी बात है या कि पर्यावरण को नष्ट करना ठीक है। अथवा किसी जीव को सताना, किसी गरीब की मदद न करना, अपने बड़ों की बात न मानना ही बढ़िया है। फेंटेसी के भी बहुत मानवीयता वाले तर्क होते हैं। अपनी यूरोप की यात्रा के दौरान बहुत से भारतीय और विदेशी बच्चों से मिली हूं। वहां भारतीय बच्चे अपने देश के मिथकीय चरित्रों जैसे कि श्रीराम, रावण, श्रीकृष्ण, दुर्योधन, बाल गणेश, काली, बाल हनुमान, पंचतंत्र की जानवरों की कथाएं आदि को बहुत चाव से पढ़ते मिले। जैसे ही किसी वैज्ञानिक चीज के बारे में उनसे बात की गई, वे फौरन अपना मोबाइल दिखाकर कहने लगे कि ये बात उन्हें पहले से मालूम है। जैसे कि चांद के बारे में कहा जाता है कि वहां न आक्सीजन है, न पानी, न पेड़, पौधे, न कोई इन्सान। इसलिए इन दिनों बच्चों को चांद के बारे में यदि कोई चमत्कारिक कथा सुनाई जाए, तो वे नहीं सुनेंगे। लेकिन एक कहानी सैशन के दौरान बच्चों ने चांद के बारे मे ऐसी-ऐसी परिकल्पनाएं कीं कि लगा कि वे अब भी चांद को लेकर बहुत-सी कहानियां सुन सकते हैं, बुन सकते हैं।

- क्षमा शर्मा

'छात्रों की गूंज' और बदलता चुनावी विमर्श

जयसिंह रावत

वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड की राजनीति पारंपरिक रूप से राष्ट्रवाद, सैन्य गौरव और धार्मिक अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल ही में देहरादून में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम ने राज्य और देश की मुख्यधारा की राजनीति को एक नया वैचारिक मोड़ दे दिया है। दो निरंतर कार्यकालों की सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इंकम्बेंसी) से जूझ रही भाजपा के खिलाफ विपक्ष के पास मुद्दों का अंबार था। बेरोजगारी और महंगाई जैसे राष्ट्रव्यापी विषयों से लेकर बद्रीनाथ में दान चोरी के कथित विवाद और अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसे बेहद संवेदनशील स्थानीय मुद्दों तक, कांग्रेस के तरकश में कई तीर थे।

पूरा राजनीतिक अमला और सत्ता पक्ष इस बात के लिए मुस्तैद था कि लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी देहरादून की धरती से इन सभी ज्वलंत मुद्दों पर तीखे तीर चलाएंगे।

विशेष रूप से सैन्य बाहुल्य प्रदेश होने के नाते भाजपा को पूरा यकीन था कि राहुल गांधी 'अग्निवीर योजना' को लेकर सरकार को घेरेंगे। यही वजह थी कि राज्य सरकार ने रक्षात्मक रुख अपनाते हुए 17 जुलाई की शाम 5 बजे राहुल के कार्यक्रम से ठीक पहले आनन-फानन में अग्निवीर योजना को लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर डाला और सरकार में 'अग्निवीर प्रकोष्ठ' के गठन जैसी बड़ी घोषणाएं भी कर दीं। सरकार ने विपक्ष के सबसे बड़े हमले की धार को पहले ही कुंद करने की पूरी बिसात बिछा रखी थी। लेकिन देहरादून के मंच पर राहुल गांधी ने न तो अग्निवीर का जिक्र किया और न ही अन्य राजनीतिक विवादों का। राहुल गांधी का पूरा ध्यान केवल और केवल एक मुद्दे पर केंद्रित रहा-'पेपर लीक और छात्रों के भविष्य पर सुनियोजित आघात।' राहुल गांधी का यह रुख किसी राजनीतिक चूक का परिणाम नहीं, बल्कि एक गहरी और सुनियोजित दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

कांग्रेस ने समझ लिया है कि राष्ट्रवाद और सैन्य मुद्दों पर भाजपा को उसकी पिच पर घेरना कई बार आत्मघाती साबित होता है। अग्निवीर पर बोलते ही बहस 'सेना के मनोबल' बनाम 'राजनीति' पर केंद्रित हो जाती, जिससे मूल मुद्दा भटक जाता। उन्होंने राज्य के अन्य भावनात्मक मुद्दों को छुए बिना अपना पूरा फोकस देश और राज्य के युवाओं की सबसे दुखती रग-'पेपर लीक'-पर रखा। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस की भावी रणनीति के केंद्र में अब 'युवा और छात्र' आ चुके हैं। इससे पहले कोटा में छात्रों से संवाद के दौरान राहुल गांधी ने वर्तमान शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को 'रिजेक्शन सिस्टम' करार दिया था। देहरादून का कार्यक्रम इसी वैचारिक विमर्श का अगला और अधिक परिपक्व पड़ाव था। यह जनसभा युवाओं की आकांक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों की उपलब्धता पर केंद्रित एक गंभीर संवाद था।

उत्तराखंड पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं, जैसे यूकेएसएसएससी और लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं, में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए देश का सबसे कड़ा 'नकल विरोधी कानून' लागू किया और कई मामलों में गिरफ्तारियां भी कीं।

सरकार ने इसे अपनी प्रशासनिक इच्छाशक्ति के रूप में पेश किया, लेकिन विपक्ष लगातार इसे इस रूप में प्रचारित करने में सफल रहा है कि व्यवस्था के भीतर बैठे लोग युवाओं के भविष्य के साथ 'अनंत अन्याय' कर रहे हैं। राहुल गांधी इसी सामूहिक हताशा को एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय राजनीति दशकों से जातिगत समीकरणों और धार्मिक ध्रुवीकरण के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम ने यह साफ संकेत दे दिया है कि भविष्य की राजनीति में जाति और धर्म के पारंपरिक औजारों के समानांतर रोजगार, शिक्षा और समान अवसर भी उतने ही प्रभावशाली चुनावी मुद्दे बनने जा रहे हैं। अब सरकार के सामने असली चुनौती यह होगी कि वह केवल कड़े कानून बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि रोजगार और भर्ती व्यवस्था में सुधार के ऐसे ठोस और दृश्यमान परिणाम प्रस्तुत करे, जिससे युवाओं के बीच खोया हुआ भरोसा बहाल हो सके। यदि नियुक्तियां समय पर, बिना किसी धांधली के और पारदर्शी तरीके से होती हैं, तो विपक्ष के इस नैरेटिव की हवा अपने आप निकल जाएगी।

युवा मतदाता आज किसी भी राजनीतिक दल की किस्मत बनाने या बिगाड़ने में सबसे निर्णायक कारक बन चुके हैं। वे सोशल मीडिया के दौर में जी रहे हैं, वे जागरूक हैं और अपनी समस्याओं के राजनीतिकरण को अच्छी तरह समझते हैं। राहुल गांधी के देहरादून दौरे ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस अब लोकलुभावन और भावनात्मक बहसों के जाल में फंसने के बजाय सीधे उस मोर्चे पर लड़ना चाहती है, जहां सरकार सबसे ज्यादा संवेदनशील है।

दुनिया के लिए सबक है यूरोप की असामान्य गर्मी

ज्ञानेन्द्र रावत

पर्यावरण विद्

ग्लोबल वार्मिंग ने दुनियाभर में कहर ढाना शुरू कर दिया है। इसके कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो गई है। अब तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा है। इसके चलते लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यूरोप की भीषण गर्मी इस बात की चेतावनी है। यूरोप की इस गर्मी को 'हीट डोम' कहें, 'हीटवेव' कहें या फिर उसे 'ओमेगा हीटवेव' की संज्ञा दी जाए, हकीकत यह है कि यूरोप भीषण गर्मी के साये में झुलस रहा है। यूरोप के कई देश 1970 के दशक की तुलना में दो महीने अधिक 'हीट स्ट्रेस' का भीषण असर झेल रहे हैं। इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग और जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। हीट डोम बहुत ही धीमी गति से आगे बढ़ते हैं। इससे लोग लंबे समय तक गर्मी झेलने को मजबूर होते हैं। इस समय फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली की सरकारों ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। पूरे स्पेन में गर्मी का अलर्ट है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भीषण गर्मी के चलते अभी तक 3700 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। स्थानीय अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में हाई अलर्ट है। वहां के 54 विभागों में रेड अलर्ट है। यहां 1947 के बाद इस बार भीषण गर्मी देखी गई है।

हालात इतने खराब हैं कि गर्मी से राहत पाने की कोशिश में वहां जलाशयों व नदियों में गए तकरीबन 40 से ज्यादा लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। एफिल टावर के पास ट्रोकाडेरो फाउंटेन में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूदते देखे गए हैं। यही नहीं, वहां घरों में रहने वाले 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतों की तादाद सबसे ज्यादा, यानी 91 फीसदी है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी सबसे ज्यादा 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतें हुई हैं। यह हालात की भयावहता का जीता-जागता सबूत है। इन हालातों ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। परिवहन सुविधाओं पर भी काफी दबाव पड़ा है। लोग मानने लगे हैं कि अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेने का समय आ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप में गर्मी के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वैज्ञानिक इसे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक दुर्लभ मौसमी पैटर्न की संज्ञा दे रहे हैं।

उनके अनुसार ओमेगा ब्लॉक के चलते यूरोप के कई देशों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्कूल बंद करने पड़े हैं। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और पोल्ट्री फार्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस असामान्य गर्मी के पीछे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक मौसमी पैटर्न है, जिसमें उच्च दबाव का क्षेत्र ग्रीक अक्षर 'ओमेगा' के आकार का बन जाता है। यह गर्म हवा को लंबे समय तक एक ही इलाके में रोककर रखता है, जिससे अमूमन तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी शहर पिसोस में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उत्तर-पश्चिमी शहर ब्रिटनी में बिजली आपूर्ति ठप रही है। वहीं, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को भी उत्पादन में सात फीसदी की कटौती करने को बाध्य होना पड़ा है। इसका कारण शीतलन के लिए वहां पर्याप्त पानी का अभाव था। इससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं, इटली में सोलह शहरों में उच्च स्तर का हाई अलर्ट जारी करना पड़ा है।

ब्रिटेन में बढ़ते तापमान के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। फ्रांस में कारों में अत्यधिक तापमान के कारण कई छोटे बच्चे मौत के मुंह में चले गए। यहां के ब्रिटनी और पेज दे ला लोआर इलाके के अनेक पोल्ट्री फार्मों में अत्यधिक गर्मी से लाखों पक्षियों की मौत हो गई। दरअसल, अध्ययनों ने एक साल पहले ही चेता दिया था कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तीन गुना अधिक भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। नेचर रिव्यू अर्थ एंड एनवायरमेंट में प्रकाशित किंग्स कॉलेज के अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार, स्वस्थ और युवा वयस्कों को बढ़ती गर्मी के चलते होने वाली कठिनाई की सीमा तीन गुना होने की संभावना व्यक्त की गई थी। अध्ययनकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि जिन क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी जैसे हालात होंगे, वहां वृद्ध लोगों को गर्मी से 35 फीसदी अधिक खतरा होगा। अध्ययनकर्ता प्रोफेसर टॉम मैथ्यूज के अनुसार, यदि वैश्विक तापमान में वृद्धि निर्धारित मानक के अनुपात में दो डिग्री तक पहुंच जाती है तो इसके घातक परिणाम होंगे। इससे वृद्ध लोगों को झुलसाने वाली गर्मी की सीमाएं बढ़ेंगी। वहीं, इससे युवा आने वाले समय में अधिक जूझते नजर आएंगे। शोधकर्ताओं का दावा है कि असहनीय गर्मी में शरीर का मुख्य तापमान छह घंटे के भीतर 47 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। सरकारों को अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेना होगा।

प्राचार्य संगोष्ठी में स्काउट-गाइड दल गठन और पंजीयन प्रक्रिया पर की चर्चा

ग्वालियर। भारत स्काउट एवं गाइड मध्य प्रदेश, जिला संघ ग्वालियर के वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय प्राचार्य संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गजराराजा में किया गया। संगोष्ठी का आयोजन संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग ग्वालियर हरिओम चतुर्वेदी एवं जिला शिक्षा अधिकारी स्वीटी मंगल के मार्गदर्शन में हुआ। संगोष्ठी में संचालक मंडल के सदस्यों ने विद्यालयों में स्काउट-गाइड दल गठन, पंजीयन प्रक्रिया, स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर, युवा एवं वयस्क एडवांसमेंट सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

कान्यकुब्ज समाज की बैठक आयोजित

ग्वालियर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज महासभा, ग्वालियर की मासिक बैठक गत दिवस चेतकपुरी में आयोजित की गई। अध्यक्षता स्वामी हरिहरानंद ने की। बैठक में समाज हित में विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देने, जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों की समुचित सहायता करने, सामाजिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से पारिवारिक गोठ आयोजित करने तथा अन्य सामाजिक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में आरएन शुक्ला, अभिषेक द्विवेदी, प्रवीण दुबे, संतोष अवस्थी, दीपेन्द्र अवस्थी, पवन शर्मा, अजय मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

ठग ने कभी गेट पास तो कभी जीएसटी व पार्सल के बहाने जमा कराए रुपए

चालक को पुराने नोटों के बदले 62 लाख का झांसा देकर 79 हजार ठगे

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

काफी समय से घर में रखे पुराने पांच रुपए के नोट और एक रुपए के सिक्के के बदले 62 लाख रुपए मिलने के झांसे में आकर सरकारी विभाग के चालक से शातिर ठग ने 79 हजार रुपए हड़प लिए। इंस्टाग्राम पर रील देखकर पुराने नोट के बदले मोटी रकम मिलने के बहाने चालक को ठगी का शिकार बनाया गया है। ठग ने कभी जीएसटी तो कभी हवाई अड्डे से निकलने के गेट पास के बदले रकम को खाते में जमा कराया था। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है।

मुरार थाना क्षेत्र स्थित खुरैरी हनुमान मंदिर के पास रहने वाले लोकेन्द्र सिंह पुत्र देवसिंह किरार 32 वर्ष पीएचई विभाग में चालक है। लोकेन्द्र 11 जुलाई को मोबाइल पर इंस्टाग्राम देख रहे थे तभी उनकी नजर नितिन कुमार सिंह नाम की प्रोफाइल के एक वीडियो पर पड़ी। प्रोफाइल में ट्रैक्टर छपे पांच के पुराने नोट और सिक्का छपा एक के पुराने नोट के बदले बड़ी राशि देने की बात लिखी थी। लोकेन्द्र के घर काफी समय से पुराने नोट रखे हुए थे। लोकेंद्र झांसे में आ गए और उसने इंस्टाग्राम पर दिखाई दे रहे

मोबाइल नंबर पर फोन लगा दिया। फोन पर बात करने वाले ने लोकेन्द्र से कहा कि यदि आपके पास पांच के पुराने नोट और एक का सिक्का है तो उसके बदले बड़ी रकम मिलेगी। लोकेन्द्र के मोबाइल पर अगले दिन दूसरे नंबर से फोन आया और पुराने नोटों की तस्वीरें वॉट्सएप पर भेजने के लिए कहा। लोकेंद्र ने पांच रुपए के नोट और एक पुराने एक रुपए के नोट की फोटो भेज दी। थोड़ी देर ठग ने उक्त नोटों की कीमत लोकेन्द्र को 62 लाख रुपए बताई। इतनी बड़ी रकम सुनकर पहले लो लोकेन्द्र को यकीन नहीं हुआ जब फोन करने वाले ने अपने आपको को ओल्ड कॉइन बायर मुम्बई में स्थित कंपनी का प्रतिनिधि बताया तो उसे विश्वास हो गया। लोकेन्द्र से ठग ने पुराने नोट के बदले नई करेंसी देने के बदले में प्रोसेसिंग फीस के रूप में 550 रुपए जमा करने के लिए कहा। ठग के बताए क्यूआर कोड पर पीड़ित ने 550 रुपए उसके बताए खाते में जमा कर दिए। लोकेन्द्र को झांसे में लेने के वीडियो भेजा जिसमें वह नोटों की गड्डियां गिनते और पार्सल पैक करते दिखाई दे रहा है। साढ़े पांच रुपए लेने के बाद ठग ने कभी भोपाल एयरपोर्ट पर बताते हुए कहा कि जीएसटी कार्ड के बहाने 10,300 रुपए मांगे। लोकेन्द्र समझ नहीं पाया कि वह ठग के चुंगल में फंस गया और जैसा वह कहते गए वह उसको रकम बताए गए खाते में भेजता गया। ठग ने पीड़ित से 14 हजार 800 रुपए तो कभी और बहाना बनाते हुए 29 हजार 999 रुपए अपने खाते में स्थानांतरित करा लिए। अंत में ठग ने हवाई अड्डे पर गेट पास बनवाने के लिए 18 हजार 200 रुपए और मांगे तो लालच में आकर उसने तीन किश्तों में रकम भेज दी। पीड़ित को उस समय संदेह हो गया जब ठग ने कहा कि उसे अपराध शाखा ने पकड़ लिया है और वह उसे तभी छोड़ेंगे जब मामला को सुलझाया जाएगा। ठगी के शिकार लोकेन्द्र ने साइबर हेल्पलाइन नम्बर पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। मुरार पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले की पड़ताल प्रारंभ कर दी है।

बिना ओटीपी और लिंक भेजे खाते से 2.32 लाख निकाले

एक निजी कंपनी का कर्मचारी उस समय हैरान रह गया जब उसके खाते से रकम निकलने के लगातार मैसेज आने लगे। ठगी के शिकार युवक ने अमेजन की फर्जी आईडी पर क्लिक करने पर खाते से रकम निकालना बताया गया है।

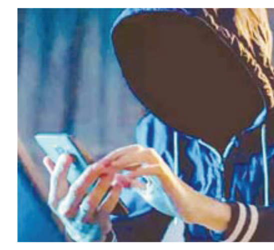

बैंक खाते से 2.32 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित के मोबाइल पर केवल पैसे कटने के मैसेज आते रहे। न तो कोई ओटीपी आया और न ही उसने किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किया। जांच में सामने आया कि ठगों ने पीड़ित के मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर अमेजन पर फर्जी आईडी बनाई और उसी से बैंक खाते को लिंक कर रकम निकाल ली।

सिरोल थाना क्षेत्र स्थित पवनसुत कॉलोनी निवासी सुशील पुत्र रामआसरे दिवाकर 48 वर्ष जयपुर की एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उनका सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की मोहनपुर शाखा में खाता है। 18 जुलाई की रात को उनके मोबाइल पर खाते से 50 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया। जब तक वह मैसेज को पढ़कर कुछ सोचते कि तभी खाते से 20 हजार रुपए, 19 हजार 999.63 रुपए, 1 लाख रुपए और 42 हजार 052 रुपए निकाले जाने के मैसेज आने लगे।

खाते से कुल 2 लाख 32 हजार 51 रुपए खाते से निकल गए थे। बताया गया है कि शातिर ठग ने सुशील के मोबाइल नम्बर से अमेजन पर फर्जी खाता बनाया और उसके माध्यम से बैंक खाते से लिंक कर ऑलानइन रकम को स्थानांतरित कर ली। पीड़ित हैरान था कि न तो उसके मोबाइल पर कोई ओटीपी आई है और न ही उसने किसी लिंक पर क्लिक किया है। पुलिस ने धोखाधड़ी के शिकार पीड़ित की शिकायत पर ठगों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

क्रिकेट मैच का ऑनलाइन टिकट के बहाने 95 हजार हड़पे

क्रिकेट के शौकीन को मैच देखने के लिए ऑनलाइन टिकट खरीदना महंगा पड़ गया। शातिर ठग ने मैच का टिकट देने का झांसा देकर 95 हजार रुपए हड़प लिए। ठग ने ओटीपी भेजकर फरियादी के खाते से रकम निकाल ली। निम्बालकर की गोठ कम्पू निवासी प्रदीप पुत्र स्व. सीबी शर्मा क्रिकेट मैच के शौकीन है। 25 अप्रैल 2026 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल क्रिकेट मैच में राजस्थान रॉयल्स और सनराईजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेला जाना था। प्रदीप ने मैच के लिए ऑनलइन टिकट खरीदने के लिए फर्जी साइट से सम्पर्क कर लिया। ठग ने उनको टिकट के रुपए लेने के लिए एक ओटीपी भेजी। जैसे ही उन्होंने ओटीपी को क्लिक किया शातिर ठग ने उनके खाते से 95 हजार रुपए निकाल लिए।

ठगों ने खाते से 28 हजार उड़ाए

उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र में एक युवक के खाते से 28 हजार रुपए निकालकर ठगी का शिकार बना लिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल अपडेट होने के बाद फॉरवर्ड हो गया। जैसे ही मोबाइल दोबारा चालू हुआ तो खाते से रकम निकलने के मैसेज पड़े हुए थे। मैदाई मोहल्ला किलागेट नारायणदास की बगिया निवासी सुमित पुत्र रामजीदास जैन 45 वर्ष ने एक जुलाई को मोबाइल चला रहा था कि तभी उसका मोबाइल अपडेट होने लगा। थोड़ी देर बाद मोबाइल चालू हुआ तो पता उसका पूरा डाटा ही डिलीट हो गया है। जब फोनपे पर सुमित ने अपना बैलेंस चेक किया तो पता चला कि खाते से 28 हजार रुपए निकल गए हैं। ठगी का शिकार होने पर पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन नम्बर पर शिकायत की।

जीविवि : शारीरिक शिक्षण संस्थान के निदेशक और सहायक निदेशक पद के लिए हुए साक्षात्कार

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षण संस्थान (फिजिकल एजुकेशन) के निदेशक और सहायक निदेशक पद पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हो गई। साक्षात्कार के बाद अभ्यर्थियों के नाम लिफाफे में बंद कर दिए गए हैं। अब कार्यपरिषद की बैठक में यह लिफाफे खोले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व कुलगुरु प्रो. अविनाश तिवारी के कार्यकाल में भी साक्षात्कार प्रक्रिया हुई थी, लेकिन लिफाफे नहीं खुल पाए थे उसके बाद धारा-52 लग गई थी। अब उम्मीद है कि जल्द ही जीवाजी विश्वविद्यालय में इन पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि डॉ. राजेंद्र सिंह और डॉ. केशव सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद यह पद खाली पड़े थे। तब से अब तक इन पदों पर प्रभार देकर काम चलाया जा रहा था। वर्तमान प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ पर संस्थान का प्रभार है। बुधवार को इन पदों पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया सुबह से ही शुरू हो गई थी। निदेशक पद के लिए 3 अभ्यर्थी साक्षात्कार देने के लिए पहुंचे थे। वहीं सहायक निदेशक पद के लिए 30 अभ्यर्थी साक्षात्कार देने के लिए पहुंचे। वहीं दोपहर में दोपहर में इन पदों की नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए छात्र नेता योगेश गुर्जर के नेतृत्व में कुछ छात्र विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में पहुंच गए थे, यहां पर उन्होंने धरना- प्रदर्शन करने के बाद कुलसचिव राजीव मिश्रा को ज्ञापन सौंपा और पूरी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए जांच करने और प्रक्रिया को रोके जान की मांग की।

ऐसे शोध करें जो समाज की समस्याओं का समाधान करे

■ एमिटी विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का बुधवार को समापन हुआ। समापन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, भारतीय ज्ञान परंपरा, मौलिक शोध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और छात्र-केंद्रित शिक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।मुख्य वक्ता अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) ए.डी.एन. वाजपेयी ने कहा कि भारत को शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने के लिए केवल शोध पत्र और पेटेंट की संख्या

बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता ऐसी शोध संस्कृति विकसित करने की है, जो समाज की समस्याओं का समाधान दे और देश की बौद्धिक पहचान को मजबूत बनाए। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा, वेद, उपनिषद, गुरुकुल व्यवस्था और भारतीय भाषाओं को शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया। एमिटी विवि के प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी.के. शर्मा ने कहा कि एफडीपी का उद्देश्य केवल शिक्षकों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। विवि कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर.एस. तोमर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों की शैक्षणिक क्षमता और अनुसंधान को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रो. डॉ. स्वप्निल राय ने अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

जेल आत्मचिंतन का अवसर, बंदी सही राह चुनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं

■ केन्द्रीय जेल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

अपराध के बाद भी जीवन में सुधार और बदलाव की संभावना बनी रहती है। जेल केवल सजा भुगतने का स्थान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन कर जीवन की दिशा बदलने का अवसर भी है। बंदी यहां अपनी गलतियों का आकलन कर बेहतर इंसान बनने का प्रयास कर सकते हैं। यह बात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ललित किशोर ने बुधवार को केन्द्रीय जेल में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर के दौरान कही। शिविर में बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और न्याय प्रक्रिया

से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री किशोर ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति जन्म से अपराधी नहीं होता। कई बार परिस्थितियां, गलत निर्णय या भावनाओं में आकर किए गए कार्य व्यक्ति को अपराध की ओर ले जाते हैं। ऐसे में जेल का समय व्यक्ति को अपनी गलतियों पर विचार करने और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि बंदी आत्ममंथन करें कि उनसे कहां गलती हुई और भविष्य में किस प्रकार सही मार्ग अपनाया जा सकता है। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह ने बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी।

जीएसटी प्रणाली में तकनीकी जटिलता से व्यापारियों को करना पड़ रहा कठिनाइयों का सामना

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

व्यापार और उद्योग जगत के लिए जीएसटी व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल बनाने की दिशा में टैक्स बार एसोसिएशन

ग्वालियर ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए ऑडिट विभाग के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल दुबे के निर्देशन में प्रतिनिधिमंडल ने एजी एमपी-सीजी ऑडिट, ग्वालियर के उपनिदेशक सर्वोत्तम श्रीवास्तव से मुलाकात कर जीएसटी अधिनियम एवं जीएसटी पोर्टल से जुड़ी विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं को विस्तार से रखा। बैठक का प्रमुख उद्देश्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को मजबूत करना और छोटे व्यापारियों की परेशानियों का

स्थायी समाधान तलाशना रहा।

बैठक में टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने छोटे एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) और करदाताओं के सामने आने वाली वास्तविक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि जीएसटी प्रणाली में मौजूद तकनीकी और प्रक्रियागत जटिलताओं के कारण व्यापारियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें समय रहते दूर किया जाना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटीआर-1 की लेट फीस, पोर्टल पर भुगतान के लिए उचित विकल्पों की कमी, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) की जटिलताओं, विभागीय नोटिसों के सरलीकरण, एमएसएमई एवं कंपोजिशन करदाताओं की रिटर्न संबंधी समस्याओं, तीन वर्ष से पुराने लंबित वार्षिक रिटर्न, नए जीएसटी पंजीयन के दौरान हाउस नंबर सत्यापन में आने वाली बाधाओं, रिफंड में हो रही देरी तथा बिना पर्याप्त कारण जीएसटी पंजीयन निरस्त किए जाने जैसी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान सर्वोत्तम श्रीवास्तव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि करदाताओं के हित में दिए गए व्यावहारिक एवं न्यायसंगत सुझावों को आवश्यक कार्रवाई हेतु जीएसटी काउंसिल तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा, ताकि भविष्य में नियमों और प्रक्रियाओं में आवश्यक सुधार किए जा सके। इस मौके पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता एवं सचिव संजय कछावा भी उपस्थित रहे।

भड़ली नवमी पर हुए मांगलिक कार्य

ग्वालियर। भड़ली नवमी बुधवार को मनाई गई। इस दिन अबूझ मुहूर्त रहने से विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, प्रतिष्ठा, नए व्यवसाय की शुरुआत और अन्य मांगलिक कार्य बिना पंचांग देखे ही किए गए। गुरु अस्त होने के बावजूद इस दिन विवाह और शुभ कार्यों पर किसी प्रकार का दोष नहीं रहा। यही कारण था कि बड़ी संख्या में विवाह और अन्य मांगलिक आयोजन हुए। शास्त्रों में इस दिन को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इस तिथि पर बिना ज्योतिषीय गणना के विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, प्रतिष्ठा और नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भड़ली नवमी आषाढ़ गुप्त नवरात्र का समापन दिवस भी रहा। भड़ली नवमी इस सीजन का अंतिम प्रमुख शुभ मुहूर्त रहा। अब देवउठनी एकादशी पर 1 नवंबर से शुभ कार्य फिर शुरू होंगे। नवंबर और दिसंबर में चार-चार दिन विवाह के मुहूर्त रहेंगे।

भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित है देश की अर्थव्यवस्था : वाजपेयी

■ भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यानमाला आयोजित

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बुधवार को अर्थशास्त्र में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारत के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, शिक्षाविद, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा चार विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी रहे।

उन्होंने प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्व एवं उसकी वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पाश्चात्य मूल्यों पर नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-मूल्यों

पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि संसाधनों का वितरण संतुलित एवं समतामूलक होना चाहिए तथा उपभोग आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए। इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने परिवार का उदाहरण दिया कि जिस प्रकार एक मां अपने सभी बच्चों के बीच भोजन का समान एवं न्यायपूर्ण वितरण करती है, उसी प्रकार अर्थव्यवस्था में भी समानता और संतुलन का भाव होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश की प्रगति का वास्तविक मानक केवल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) नहीं, बल्कि जीडीसी (सकल घरेलू योगदान) होना चाहिए। उनके विचारों ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों को भारतीय आर्थिक चिंतन के नए आयामों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, अर्थशास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. कमलेश कुमार श्रीवास्तव,डॉ. ज्योति उपाध्याय, डॉ. राजीव सिंह चौहान, डॉ. मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

आईआईटीटीएम में भारत-जॉर्जिया संबंधों पर विशेष अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान आयोजित

'कई देशों की संस्कृति व परंपराओं को जोड़ने का माध्यम है पर्यटन'

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) में बुधवार को पर्यटन एवं सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत-जॉर्जिया संबंधों को सुदृढ़ बनाना विषय पर एक विशेष अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जॉर्जिया के भारत, मालदीव, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल एवं बांग्लादेश में राजदूत एचई वाख्तांग जाओशविली मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इसके बाद सिंधिया रिसर्च सेंटर के प्रमुख अरुणांश बी. गोस्वामी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि एचई वाख्तांग जाओशविली का औपचारिक परिचय किया। उन्होंने जॉर्जिया के भारत, मालदीव, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल एवं बांग्लादेश में राजदूत के रूप में विशिष्ट कूटनीतिक अनुभव, भारत-जॉर्जिया संबंधों को सुदृढ़ बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान तथा पर्यटन एवं सांस्कृतिक सहयोग को नई दिशा देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एचई वाख्तांग जाओशविली ने कहा कि भारत और जॉर्जिया के

बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं मैत्रीपूर्ण संबंध सदैव मजबूत रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि विभिन्न देशों की संस्कृति, परंपराओं और लोगों को जोड़ने वाला एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने दोनों देशों के बीच पर्यटन, शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा युवा सहभागिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने, विभिन्न संस्कृतियों को समझने तथा पर्यटन के माध्यम से विश्व शांति एवं सहयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर आईआईटीटीएम की निदेशक प्रो. (डॉ.) मोनिका प्रकाश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर का ज्ञान एवं अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों एवं राजनयिकों को आमंत्रित करता रहा है। उन्होंने कहा कि महामहिम राजदूत का यह व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटन, सांस्कृतिक कूटनीति तथा वैश्विक सहयोग की नई संभावनाओं को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। नोडल अधिकारी प्रो. (डॉ.) सौरभ दीक्षित ने कहा कि पर्यटन आज देशों के मध्य सांस्कृतिक संवाद, आर्थिक विकास तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों को वैश्विक पर्यटन उद्योग की बदलती आवश्यकताओं को समझने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका तय करने के लिए प्रेरित करते हैं।

सामूहिक जनेऊ संस्कार से रुकेगा फिजूल खर्च

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वावधान में श्री परशुरामेश्वरम मंदिर रामकुई पर आयोजित होने वाले सामूहिक जनेऊ संस्कार समारोह के पूर्व एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश नारायण शर्मा ने की। इस अवसर पर भागवताचार्य मधु कृष्ण दुबे ने कहा कि सनातन संस्कृति में संस्कारों का विशेष महत्व है। वेद पाठ, नित्य कर्म और धार्मिक परंपराएं युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक जनेऊ संस्कार जैसे आयोजन समाज में एकता बढ़ाने के साथ-साथ अनावश्यक खर्चों को रोकने में भी सहायक हैं। देवेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि प्रत्येक सनातनी को 16 संस्कारों की जानकारी होनी चाहिए। इनमें जनेऊ संस्कार अत्यंत महत्वपूर्ण संस्कार है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयवीर भारद्वाज ने किया। इस अवसर पर संगीता शर्मा, रेनू शर्मा, तरुण लता पाठक, मंजू मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

हथेली से भी पता चलता है कैसा होगा जीवन

हर व्यक्ति के मन में अपना भविष्य जानने की इच्छा रहती है। हस्तरेखा शास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जो व्यक्ति के भूत, भविष्य व वर्तमान की जानकारी देता है। हर व्यक्ति के हाथ की हथेली की बनावट व आकार अलग-अलग होता है। इसके साथ ही हाथ की रेखाएं भी अलग-अलग होती हैं। हस्तरेखा शास्त्र के जानकारों के अनुसार, व्यक्ति की हाथ की रेखाएं और हथेली के आकार को देखकर उसका भविष्य व स्वभाव का पता लगाया जा सकता है।

कठोर हथेली के जातक- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली कठोर होती है, उन्हें जीवन में ज्यादा मेहनत व संघर्षों का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों को दिन-रात एक करने के बाद ही भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। लेकिन ये लोग हमेशा अपनी ईमानदारी का परिचय देते हैं।

छोटी हथेली के जातक- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली छोटी होती है, ऐसे लोग दिल के साफ होते हैं। ऐसे लोग क्रिएटिव कार्यों में रूचि रखते हैं। ये चीजों को जानने की इच्छा रखते हैं। कहते हैं कि इन लोगों का जीवन सुखमय बीतता है।

बड़ी हथेली के जातक- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली का आकार बड़ा होता है, वे अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाते हैं। ये धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखते है। इन्हें जीवन में मनचाही सफलता प्राप्त होती है।

कोमल हथेली के लोग- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेलियां कोमल होती हैं, वे भाग्यशाली माने गए हैं। इन लोगों को जीवन में अपार सफलता प्राप्त होती है। कहते हैं कि इन लोगों को धन संबंधी परेशानियों का कम सामना करना पड़ता है।

हथेली के ये चिह्न होते हैं भाग्यशाली

मछली का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि. हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में मछली का निशान है तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है. ऐसे व्यक्ति के भाग्य में समुद्र पार देशों की यात्रा होती है. साथ ही ऐसे लोगों के पास धन की भी कमी नहीं होती है और ये लोग सुखी जीवन व्यतीत करते हैं.

पालकी का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में पालकी का निशान है तो ऐसे लोग बहुत ही ज्यादा भाग्यशाली माने जाते हैं. हस्तरेखा के अनुसार, ऐसे लोगों के पास बहुत ही

आलीशान जीवन जीते हैं. इनके पास भौतिक सुख सुविधाओं की कमी नहीं रहती है. ऐसे लोगों के पास अपार धन होता है. इनके पास खूब नौकर चाकर और गाड़ियां होती हैं.

स्वस्तिक का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में स्वास्तिक का निशान है तो इसका मतलब है कि वह व्यक्ति बहुत ही बहुत ही भाग्यशाली है. ऐसे लोग बहुत ही भाग्यशाली और काफी अच्छे शिक्षक होते हैं. ऐसे लोगों खूब मान सम्मान और प्रतिष्ठा कमाते हैं. ये लोग या तो मंत्री या फिर किसी उच्चे पद पर विराजमान होते हैं.

कलश का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में कलश का चिन्ह हो तो वह बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति होता है. ऐसे लोग खूब पूजा पाठ करने वाले होते हैं. यानी की ऐसे लोगों का धर्म के क्षेत्र में खूब प्रभाव रहता है. ऐसे लोग काफी धार्मिक यात्राएं करते हैं और धर्म का प्रचार प्रसार करते हैं.

जहाज का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में जहाज का निशान होता है तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही भाग्यवान होता है. साथ ही इनके पास धन धान्य की भी कोई कमी नहीं रहती है. ऐसे लोगों का समुद्र पार देशों में काफी अच्छा व्यापार होता है.

सूर्य का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हाथ में सूर्य का निशान होना बहुत ही शुभ माना जाता है. ऐसे लोग बहुत तेजस्वी प्रकृति के होते हैं. इनके पास पैसे की कोई कमी भी नहीं रहती है. ये लोग जीवन में खूब मान सम्मान और पैसा कमाते हैं.

कमल का चिन्ह

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर कमल का चिन्ह मौजूद है तो यह बहुत शुभ माना जाता है. कमल भगवान विष्णु का चिन्ह माना गया है और हथेली पर यह निशान है तो विष्णु योग कहलाता है. ऐसे व्यक्ति पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है और भाग्य भी हमेशा इनका साथ देता है. कमल का निशान होने से व्यक्ति नेतृत्व और वाकपटुता में काफी माहिर होता है और इनको जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता.

त्रिशूल का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि त्रिशूल का निशान हथेली पर होना बहुत भाग्यशाली माना जाता है. अगर यह निशान किसी रेखा या पर्वत के ऊपर मौजूद है तो उस व्यक्ति पर भगवान शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है. त्रिशूल का निशान अगर मंगल पर्वत पर मौजूद है तो इससे यह शिव योग बनता है. ऐसे व्यक्ति को जीवन में कभी किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ता और जीवन में हमेशा तरक्की मिलती है.

हथेली की ये रेखाएं बनाती है धनवान और भाग्यवान

कभी नहीं होती धन-धान्य की कमी : ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अगर आपकी हथेली पर सूर्य पर्वत और गुरु पर्वत ऊंचा उठा हुआ है तो ऐसे व्यक्ति को धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती. समाज में इनकी प्रतिष्ठा बढ़ती रहती है और यह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते. ऐसे व्यक्ति काफी दानवीर भी होते हैं, जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं. यह लोग करियर बनाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं और नई-नई चीजों में अपना दिमाग लगाते रहते हैं, जिससे सफलता इनके कदम चूमती है.

भाग्य हमेशा देता है साथ: ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति के मणिबंध से निकलती हुई रेखा सीधी और स्पष्ट हो और वह शनि पर्वत तक पहुंच रही हो तो ऐसा व्यक्ति काफी भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि इस रेखा को भाग्य रेखा कहा जाता है. ऐसे व्यक्ति काफी धनवान होता है और जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है. वहीं अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर दो सूर्य रेखा बन रही हों तो ऐसे व्यक्ति को समाज में काफी सम्मान मिलता है और धन संपत्ति से काफी समृद्ध रहता है.

होती है अचानक धन की प्राप्ति: ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हथेली के ऊपरी भाग में मणिबंध के पास जीवन रेखा से लगा हुआ मछली का चिन्ह मिलता है तो यह काफी शुभ माना जाता है. ऐसे व्यक्ति को अचानक धन की प्राप्ति होती है और उनको विदेशों से भी अच्छा लाभ मिलता है. इनके आसपास के लोग इनकी काफी इज्जत करते हैं और पैतृक संपत्ति भी काफी मिलती है.

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल होता है फायदेमंद

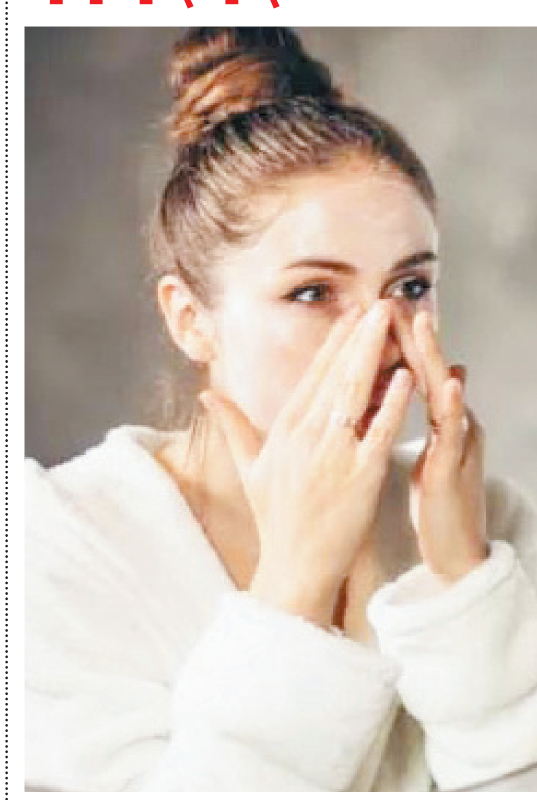

मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद है।अगर आप नियमित रूप से मेकअप करती हैं तो आपके लिए उसे ठीक तरह से उतारना भी बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेकअप ठीक से न उतारने की वजह से आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स की चपेट में आ सकती हैं। चेहरे से मेकअप उतारने के लिए बेहतर मेकअप रिमूवर ढूंढना आपके लिए किसी कठिन चुनौती से कम नहीं है। कई तरह के मेकअप रिमूवर काफी ऑयली होते हैं, तो कुछ ऐसे भी होते हैं जो चेहरे पर गहरे धब्बे छोड़ जाते हैं। ऐसे में आपको चाहिए कि मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें। जिनकी त्वचा कुछ ज्यादा सेंसिटिव होती है उनके लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होती। आज हम आपको कुछ ऐसे ही नेचुरल मेकअप रिमूवर के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऑलिव ऑयल – थोड़ा सा ऑलिव ऑयल किसी सूती कपड़े पर लेकर उसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। यह आपके चेहरे की सारी गंदगी को दूर कर उसे पूरी तरह से साफ कर देगा।

खीरे का पेस्ट – खीरे की तासीर काफी ठंडी होती है, यह हम सभी जानते हैं। खीरे को कद्दूकस पर घिसकर उसका पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट में एक चम्मच बादाम का तेल मिलाकर पूरे चेहरे पर रगड़िए। कुछ देर बाद गर्म पानी से इसे धो लीजिए। यह आपके चेहरे को प्राकृतिक सुंदरता देगा।

एलोवेरा जेल – एलोवेरा त्वचा का काफी लोकप्रिय प्राकृतिक उपचार है। दो चम्मच एलोवेरा जेल को तीन चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं और सूती कपड़े की मदद से इसे पूरे चेहरे पर लगाएं। दो मिनट बाद इसे धोकर साफ कपड़े से पोछ लें।

दूध – अगर आपकी त्वचा थोड़ी सेंसिटिव है तो आपके लिए दूध का प्रयोग मेकअप रिमूवर के बतौर ज्यादा सही रहेगा। कॉटन बॉल को दूध में भिगोकर इससे अपने चेहरे को साफ करें। यह आपके चेहरे को पूरी तरह से साफ कर देगा।

दही – दही एक बेहतरीन मेकअप रिमूवर की तरह काम करता है। दही को अच्छी तरह से फेंटकर किसी कॉटन बॉल की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से रगड़ें। जब मेकअप पूरी तरह से उतर जाए तो चेहरे को पानी से अच्छी तरह से धो लें।

सुपर फूड्स से रहेंगी फिट

आजकल वजन घटाने सुपर फूड्स को बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस कारण यह पसंद किये जाने लगे हैं।

कई सुपर फूड्स ने धीरेधीरे किचन में जगह बना ली है। जाहिर सी बात है कि किचन के जरिए ये हमारे पेट में भी पहुंच रहे हैं। क्विनोआ के अलावा, चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, वॉटरमेलन सीड्स, चगा मशरूम, नट ऑयल, मका, ल्यूकूमा, हेम्प सीड्स आदि। हममें से कुछ लोग इन सुपर फूड्स से परिचित हैं तो कुछ को इनके बारे में कुछ भी पता नहीं। फ्लैक्स सीड्स दादी-नानी के जमाने के अलसी के बीज हैं, जिन्हें अपने यहां के कुछ राज्यों में तिसी भी कहा जाता है। कुछ आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं तो कुछ विटामिन और प्रोटीन के। इस आधे बीत चुके साल में इंटरनेट फ्रेंडली हो चुकी जनता अपने खानपान की आदतों को लेकर भी एडवेंचरस है।

चिया के बीज भी पॉपुलर सुपर फूड्स की श्रेणी में शामिल हैं। वैसे तो ये स्वाद रहित होते हैं लेकिन जब इन्हें सही ढंग से पकाया जाता है तो ये आसानी से पच जाते हैं। एनर्जी बूस्टिंग पाउडर के तौर पर ये कमाल के हैं। हालिया शोध तो चिया के बीजों को टाइप 2 डायबिटीज खत्म करने के लिए कारगर मानते हैं। चिया मेक्सिको से आते हैं, जिसका अर्थ ताकत से है। चिया को रनर्स फूड भी कहा जाता है क्योंकि लंबी दौड़ में चिया का इस्तेमाल ऊर्जा स्रोत के तौर पर किया जाता है। कहा जाता है कि केवल एक चम्मच चिया उन्हें 24 घंटे तक ऊर्जावान बनाए रखने में कारगर है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी सन्फ्लेमेट्री, एंटी कैंसर गुण होने के कारण चिया के सेवन का प्रचलन अपने देश में भी बढ़ता जा रहा है। यह एक कंम्प्लीट प्रोटीन भी है क्योंकि इसमें नौ जरूरी अमिनो एसिड हैं। स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए आवश्यक 20 फीसद सॉल्युबल फाइबर और 80 फीसद इनसॉल्युबल फाइबर भी इसमें हैं। यह ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखता है, क्रेविंग को कम करता है और लंबे समय तक आपके पेट को भरा महसूस कराता है।

क्विनोआ पोषण का दोगुना पंच देता है क्योंकि इसमें फाइबर और प्रोटीन दोनों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। यह ग्लूटेन मुक्त होने के साथ कंप्लीट प्रोटीन भी है। यह मूलत : एक बीज है, जिसे अनाज के तौर पर खाया जाता है। क्विनोआ तीन तरह के होते हैं- सफेद, लाल और काला। इसे अमूमन ऑर्गेनिक तौर पर ही उगाया जाता है। इसमें फ्लेवेनॉयड्स होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करता है। अन्य अनाजों की तुलना में क्विनोआ में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। क्विनोआ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स करीब 53 है, जो काफी कम है। शोध यह भी बताते हैं कि क्विनोआ मेटाबोलिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में लाभदायक है। वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए क्विनोआ फायदेमंद है क्योंकि वजन कम करने के लिए हमें कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

अलसी के बीज सालों से हमारे आस-पास ही हैं और एग्जॉटिक नहीं है, इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि यह हमारे संतुलित आहार के लिए पर्याप्त नहीं। सच तो यह है कि अलसी के बीज कमाल के होते हैं! यह न केवल कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करता है बल्कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स का बड़ा भाग होता है। इसे लिग्नैन्स कहा जाता है, जिसमें कैंसर से लड़ने के गुण मौजूद हैं। साथ ही यह हार्मोन्स को भी संतुलित करने में मददगार हैं। यह सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि यह रोजाना की ऊर्जा और वजन कम करने में लाभदायक हैं। अलसी के बीजों की खासियत यह है कि ये किसी भी डिश में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। चाहें तो इन्हें ओटमील पर छिड़क लीजिए या ग्रैनोला में या दही पर या अपने स्मूदी में मिला लीजिए।

संक्षिप्त समाचार

हम 51 साल का इंतज़ार खत्म करना चाहते हैं: हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि हम बेल्जियम और नींदरलैंड्स की संयुक्त

मेजबानी में 15 अगस्त से शुरु होने वाली एफआईएच हॉकी विश्वकप में 51 साल का सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेंगे। दिलचस्प बात यह है कि भारत के एकमात्र वर्ल्ड कप विजेता कप्तान, अजीत पाल सिंह ने भी इस टूर्नामेंट में दो बार टीम की कप्तानी की थी। उनकी कप्तानी में टीम ने 1971 में कांस्य पदक जीता और फिर 1975 में ट्रॉफी जीती, जो भारत की एकमात्र विश्व कप जीत है। हरमनप्रीत भी भारत के 51 साल के इंतजार को खत्म करने के लिए उसी उपलब्धि को दोहराना चाहते हैं।

काउंटी क्रिकेट में दिखेगा कुलदीप यादव का जलवा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव अब पहली बार

इंग्लैंड के प्रतिष्ठित काउंटी क्रिकेट में अपना हुनर दिखाते नजर आएंगे। कुलदीप ने यॉर्कशायर क्लब के साथ करार किया है और वह 24 जुलाई से शुरू होने वाले वन डे कप में टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके बाद सितंबर में वह दोबारा इंग्लैंड लौटकर काउंटी चैंपियनशिप के सीज़न के अंतिम तीन मुकाबलों में भी हिस्सा लेंगे। कुलदीप यादव का यॉर्कशायर के साथ जुड़ाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में वह 24 जुलाई से 2 अगस्त तक वन डे कप में पांच मैच खेलेंगे।

वॉर्नर ने 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के आरोपों को अदालत में स्वीकार

सिडनी। डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर की कप्तानी पर सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में

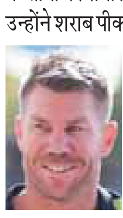

अपना दोष स्वीकार कर लिया है। वॉर्नर को बुधवार को वेवरली लोकल कोर्ट में पेश होने की ज़रूरत नहीं पड़ी, लेकिन उनके वकील बॉबी हिल ने बताया कि बल्लेबाज़ ने ईस्टर संडे के दिन शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। 5 अप्रैल को सिडनी के पूर्वी इलाके में गाड़ी चलाते हुए शराब जांच में वॉर्नर का रिज़ल्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद जब उन्हें दूसरी जांच के लिए मारूब्रा पुलिस स्टेशन ले जाया गया, तो उनके रक्त में अल्कोहल का स्तर 0.104 पाया गया, जो क़ानूनी सीमा से दोगुने से भी ज़्यादा था।

मेक्सिको के दिग्गज गोलकीपर ओचोआ ने लिया संन्यास

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के महान गोलकीपरों में शुमार गुइलेर्मो ओचोआ ने मंगलवार को पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की

घोषणा कर दी। 41 वर्षीय ओचोआ ने अपने 22 साल लंबे शानदार करियर को अलविदा कहा। उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। हालांकि इसके बाद उनके किसी नए क्लब से जुड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब उन्होंने उन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए ओचोआ ने कहा, ३मैंने अपना सबकुछ झोंक दिया। अपने क्लबों और राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स का आज से आगाज, एथलेटिक्स में दिखेगा मध्यप्रदेश का जलवा, राज्य खेल अकादमियों के 3 खिलाड़ी भारतीय दल में शामिल

मध्यप्रदेश के 5 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

आज स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होगा उद्घाटन समारोह, 2 अगस्त तक चलेंगे मुकाबले

खेल संवाददाता, भोपाल

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में गुरुवार (23 जुलाई) से कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 का आगाज होने जा रहा है। उद्घाटन समारोह के साथ शुरू होने वाले इन खेलों में मध्यप्रदेश के पांच खिलाड़ी भारतीय दल का हिस्सा बनकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनमें मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के देव मीणा, कुलदीप कुमार और समरदीप सिंह के अलावा जूडो की यामिनी मौर्य तथा वेटलिफ्टिंग के वल्लुरी अजय बाबू शामिल हैं। 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित होने वाले इन खेलों में भारत 124 सदस्यीय दल के साथ 10 खेलों तथा पैरा स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगा।

एथलेटिक्स में मध्यप्रदेश की सबसे मजबूत मौजूदगी

भारतीय एथलेटिक्स टीम में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। समरदीप सिंह शॉटपुट, देव मीणा पोल वॉल्ट तथा कुलदीप कुमार पोल वॉल्ट स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले इन खिलाड़ियों से कॉमनवेल्थ गेम्स में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पोल वॉल्ट जोड़ी पर रहेंगी निगाहें

कुलदीप कुमार

कॉमनवेल्थ गेम्स में मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी ताकत उसके रिकॉर्डधारी पोल वॉल्ट खिलाड़ी होंगे। देव मीणा ने वर्ष 2026 में पहले 5.42 मीटर, फिर 5.45 मीटर और उसके बाद 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप, भुवनेश्वर में 5.46 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं कुलदीप कुमार ने मई 2026 में आयोजित इंडियन इंडोर ओपन प्रतियोगिता में 5.41 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद नेशनल फेडरेशन कप में उन्होंने देव मीणा के साथ 5.45 मीटर की छलांग लगाकर भारतीय पोल वॉल्ट को नई ऊंचाई तक पहुंचाया।

जूडो और वेटलिफ्टिंग में भी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्वः एथलेटिक्स के अलावा जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य और वेटलिफ्टर वल्लुरी अजय बाबू भी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों खिलाड़ियों के चयन से यह स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

राज्य खेल अकादमियों की सफलता का एक और प्रमाण

कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मध्यप्रदेश की राज्य खेल अकादमियां देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देने में अग्रणी बन चुकी हैं। आधुनिक प्रशिक्षण, वैज्ञानिक कोचिंग और बेहतर खेल सुविधाओं का परिणाम है कि प्रदेश के खिलाड़ी लगातार भारतीय टीम में अपनी जगह बना रहे हैं।

ग्लासगो में पदक जीतने पर रहेंगी नजरें : गुरुवार से शुरू हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में मध्यप्रदेश के इन पांच खिलाड़ियों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। प्रदेशवासियों की निगाहें खासकर एथलेटिक्स, जूडो और वेटलिफ्टिंग स्पर्धाओं पर रहेंगी, और मध्यप्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे।

समरदीप सिंह: शॉटपुट में भारत की मजबूत उम्मीद

समरदीप सिंह भारतीय शॉटपुट के उभरते हुए सितारे हैं। मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के इस खिलाड़ी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने 20.03 मीटर का थ्रो कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसी शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 के लिए भारतीय टीम में स्थान बनाया।

फेमा केस में ललित मोदी को राहत

ट्रिब्यूनल ने ईडी का जुर्माना रद्द किया, आईपीएल-2009 साउथ अफ्रीका में कराने पैसे भेजने का आरोप था

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL-2009 को साउथ अफ्रीका में आयोजित कराने से जुड़े 15 साल पुराने फेमा (FEMA) मामले में पूर्व IPL चेयरमैन ललित मोदी को बड़ी राहत मिली है। स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स एक्ट (SAFIMA) के तहत अपीलेट ट्रिब्यूनल ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) का उन पर लगाया जुर्माना रद्द कर दिया है।

यह मामला 2009 में लोकसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा कारणों से आईपीएल का दूसरा सीजन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कराने से जुड़ा है। ईडी का आरोप था कि BCCI ने IPL 2009 के आयोजन के लिए करीब 4.98 करोड़ अमेरिकी डॉलर (243 करोड़ रुपए से अधिक) भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति के बिना विदेश भेजे थे। ईडी ने

2011 में इस मामले में शो-कॉज नोटिस जारी किए थे। 2018 में ललित मोदी, BCCI के कुछ पूर्व पदाधिकारियों और अन्य पर जुर्माना लगाया था। इसके बाद सभी ने SAFEMA अपीलीय न्यायाधिकरण में इसे चुनौती दी थी। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि उन्होंने हमेशा भारतीय क्रिकेट और IPL के हित में काम किया और कोई व्यक्तिगत गलत कार्य नहीं किया।

ट्रिब्यूनल ने कहा- ललित मोदी इस लेनदेन के जिम्मेदार नहीं

105 पन्नों के फैसले में ट्रिब्यूनल ने कहा ललित मोदी की जिम्मेदारी साबित करने वाला कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि मोदी BCCI के मामलों के प्रभारी नहीं थे। उन्हें पर्याप्त सबूतों के बिना इस मामले में शामिल किया गया था। इसलिए उन पर लगाया गया जुर्माना गलत था।

उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि यह भी पुष्टि करता है कि किसी भी आरोप का फैसला कानून और साक्ष्यों के आधार पर ही होना चाहिए।

विश्व कप में बढ़ा मध्यप्रदेश का गौरव

भारतीय हॉकी टीम में विवेक सागर का चयन

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के एसोसिएट खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड-2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हुआ है। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होगा। विवेक का चयन उनके लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों में उपलब्ध उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था की सफलता का भी प्रमाण माना जा रहा है। उनके चयन से प्रदेश के युवा खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है। भारतीय टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि टीम में अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह सहित युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित संयोजन रखा गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने विश्वास जताया है कि यह टीम विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय हॉकी के इतिहास में नया अध्याय लिख सकती है।

भारतीय टीम के अभियान की शुरुआत 15 अगस्त से

भारत को पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी, इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला खेलेगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने विवेक सागर प्रसाद के चयन को मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया है। विभाग के अनुसार राज्य की खेल अकादमियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर रही हैं, जिसका परिणाम विभिन्न भारतीय टीमों में प्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी के रूप में दिखाई दे रहा है। विवेक का विश्व कप टीम में चयन मध्यप्रदेश की खेल संस्कृति और प्रतिभा विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग : मिचेल अब भी नंबर-1 बल्लेबाज

कोहली, गिल, रोहित शीर्ष-4 में छह साल बाद शीर्ष-10 में रूट

एजेंसी, लंदन

भारत के खिलाफ़ हाल ही में खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में शानदार बल्लेबाज़ी करने वाले इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज़ जो रूट को आईसीसी की ताज़ा वनडे बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला है। रूट ने चार स्थान की छलांग लगाते हुए आठवां स्थान हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वर्ष 2020 के बाद पहली बार वह वनडे बल्लेबाज़ों की शीर्ष 10 रैंकिंग में लौटे हैं।

रूट पूरी सीरीज में नहीं हुए आउट बनाए सर्वाधिक 249 रन

जो रूट ने भारत के खिलाफ़ तीन मैचों की सीरीज़ में 76 नाबाद, 99 नाबाद और 74 नाबाद रन की शानदार पारियां खेलीं। पूरी सीरीज़ के दौरान कोई भी भारतीय गेंदबाज़ उन्हें आउट नहीं कर सका। उन्होंने 96.88 की स्ट्राइक रेट से कुल 249 रन बनाए, जो दोनों टीमों के किसी भी बल्लेबाज़ द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन रहे। इसी शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज़' चुना गया।

रोहित और शुभमन गिल ने भी बरकरार रखी मजबूत स्थिति

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी वनडे बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि लॉर्ड्स में तीसरे वनडे में खेली गई उनकी 138 रन की शानदार शतकीय पारी ने उन्हें शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों के और करीब पहुंचा दिया है। दूसरी ओर शुभमन गिल दूसरे स्थान पर कायम हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ़ सीरीज़ में 188 रन बनाए और वह सीरीज़ के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज़ रहे। गिल फिलहाल शीर्ष स्थान पर मौजूद न्यूज़ीलैंड के डेरिल मिचेल से केवल एक रेटिंग अंक पीछे हैं।

रायचंदानी और वेंकटा ने भारत को जीत की कगार पर पहुँचाया

कोलंबो। रायचंदानी (नाबाद 100) के बाद चिगुरुपति वेंकटा (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने दूसरे यूथ टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय श्रीलंका के 155 रन पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। श्रीलंका को यह मुकाबला जीतने के लिए 317 चाहिए। वहीं भारत को जीत के लिए छह विकेट की दरकार है। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में आठ विकेट गंवाकर दिन की शुरुआत की और जल्द ही 148 रनों पर सिमट गई। उन्होंने अपने कल के स्कोर में केवल 26 रन जोड़े और भारत को 263 रनों की बढ़त दे दी। भारत ने अपनी दूसरी पारी की मजबूत शुरुआत की, लेकिन कविजा गमागे ने लगातार ओवरों में ओपनर सागर विर्क और नंबर 3 आर्यन सकपाल को आउट कर दिया। इसके बाद रायचंदानी और कप्तान यशवर्धन चौहान ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े, जिसके बाद विग्नेश्वरन आकाश ने चौहान को बोल्ड कर दिया। लेकिन इससे भारत की गति धीमी नहीं हुई।

चाइना ओपन 2026

सिंधु और आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, चांगझोउ

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने चाइना ओपन 2026 में विजयी शुरुआत करते हुए बुधवार को हमवतन उन्नति हुड्डा को तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (अंतिम-16) में जगह बना ली। वहीं पुरुष एकल में युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को हराकर बड़ा उलटफेर किया। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधु, जो हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीतकर आई हैं, ने उन्नति हुड्डा को 21-14, 9-21, 21-10 से हराया। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक गेम आसानी से अपने नाम किया। अब अंतिम-16 में सिंधु का सामना मेजबान चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से होगा, जिन्होंने पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा को हराया था।

हेटमायर और रदरफोर्ड के दम पर इंडीज ने न्यूजीलैंड को दो विकेट से हराया

ब्रिजटाउन। शिमरॉन हेटमायर (नाबाद 69) और शरफेन रदरफोर्ड (61) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज ने पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 15 गेंदें शेष रहते दो विकेट से शिकस्त दी। हेटमायर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। जबकि पांच मैचों की सीरीज में 14 विकेट लेने वाले जेडेन लेनॉक्स को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। न्यूजीलैंड ने यह सीरीज 3-2 से अपने नाम की। 269 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए अकीम अग्युस्त और जस्टिन ग्रीव्स की जोड़ी ने तेजी के साथ रन बटोरते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़ कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। छठे और सातवें ओवरों में वेस्टइंडीज ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। अकीम अग्युस्त (34) और जस्टिन ग्रीव्स (22) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान शाई होप और केसी कार्टी ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाज स्कोर 118 रन तक ले गये। 24वें ओवर में लेनॉक्स ने होप (39) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया।

सारंग ने प्रगति की समीक्षा कर दिए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को विश्वस्तरीय स्वरूप देने जुटी सरकार

टीटी नगर स्टेडियम में हुई समीक्षा बैठक

खेल संवाददाता, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कॉम्पलेक्स में विकसित की जा रही खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाओं, ऊर्जा प्रबंधन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्रीसारंग ने कहा कि यह खेल परिसर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। इसलिए निर्माण के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

अब 5 प्रवेश द्वारों से होगी आसान आवाजाही

बैठक में मंत्री सारंग के निर्देशानुसार खेल परिसर में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए दो नए प्रवेश द्वार जोड़े जाने की जानकारी दी गई। पहले परिसर में तीन गेट थे, जिन्हें बढ़ाकर अब कुल पांच प्रवेश द्वार विकसित किए जा रहे हैं। इससे खिलाड़ियों, दर्शकों, अधिकारियों एवं आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि मंत्री सारंग के निर्देशानुसार पूरे खेल परिसर के चारों ओर सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। साथ ही हरित क्षेत्र के संरक्षण के लिए आधुनिक स्प्रिंकलर सिस्टम विकसित किया जा रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फायर सेफ्टी व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा रहा है।

हमारी बेटियां किसी से कम नहीं, क्रांति लेकर आईं हैं प्रदेश में खेल क्रांति

क्रांति ने अपनी प्रतिभा के दम पर दुनिया में बढ़ाया भारत का मान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- **लाइर्स के प्रतिष्ठित टेस्ट ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला क्रिकेटर हैं सुक्रांति गौड़**
- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र की स्टार क्रिकेटर सुक्रांति गौड़ को दी 5 लाख रुपए सम्मान राशि**

खेल संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दे रही है। राज्य में 'खेलो बढ़ो अभियान' के अंतर्गत सांसद कप, विधायक कप के माध्यम से प्रदेश के हर विधानसभा और तहसील स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। राज्य सरकार के इसी संकल्प का परिणाम है कि आज प्रदेश के खिलाड़ी क्रिकेट टूर्नामेंट्स, ओलिम्पिक गेम्स, खेलो इंडिया गेम्स में पदक जीत कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटों के साथ-साथ हमारी बेटियां भी किसी से कम नहीं है। मध्यप्रदेश की बेटी सुक्रांति गौड़ ने अपनी प्रतिभा और कौशल के दम पर पूरे देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित संवाद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में लाइर्स क्रिकेट मैदान के ऑनर बोर्ड पर अपना नाम लिखवाने वाली देश की पहली महिला क्रिकेटर सुश्री क्रांति गौड़ का सम्मान-अभिनंदन किया।

परिवार के सपोर्ट के बिना संभव नहीं था ब्लू जर्सी पहनना : गौड़

क्रिकेटर सुक्रांति गौड़ ने क्रिकेट खिलाड़ियों एवं मप्र खेल अकादमी के युवा खिलाड़ियों से संवाद भी किया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी गौड़ ने कहा कि उन्होंने बचपन में अनेक संघर्षों के बीच यह तय कर लिया था कि उन्हें टीम इंडिया की ब्लू जर्सी पहननी है। बुंदेलखंड के एक छोटे से गांव से क्रिकेट के अंतर्राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा माता-पिता और परिवार के सहयोग एवं समर्थन के बिना पूरी नहीं हो सकती थी। सुक्रांति ने कहा कि उनके सपने को पूरा करने के लिए परिवार ने बारिश के मौसम में भी टपकते मकान के नीचे और रसोई में राशन नहीं होने जैसे मुश्किल दिन भी गुजारे हैं। अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए उन्होंने ठान लिया था कि अब कुछ भी हो देश और अपनों के लिए कुछ कर गुजरना है। कार्यक्रम में खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, खेल सचिव संजीव सिंह, संचालक खेल एवं युवक कल्याण अंशुमान सिंह यादव सहित खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी भी उपस्थित ।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने किया सैक का शुभारंभ

नई पहलः कॉलेजों का राज्य स्तरीय मूल्यांकन करेगी सैक

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक के मानकों के अनुरूप प्रदेश में उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता संवर्धन, संस्थागत उत्कृष्टता का प्रदर्शन की निगरानी रखने राज्य मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद सैक का गठन किया गया है। इससे हम नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को सार्थक बना सकते हैं।

वे बुधवार को राजधानी में नैक की तर्ज पर बना राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ सैक का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने सैक के प्रतीक चिन्ह का अनावरण करते हुए 341 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के समन्वयकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

मंत्री परमार ने कहा कि राज्य सतर का यह नया प्रकोष्ठ महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग तथा सतत परामर्श उपलब्ध कराएगा। इससे संस्थान राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बना सकेंगे।

कॉलेजों- विवि. को सहयोग करेगा सैक

परमार ने कहा कि सैक के माध्यम से प्रदेश के सभी महाविद्यालयों के साथ सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों को भी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। यह पहल मध्यप्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के साथ प्रदेश की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करेगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर लगातार भर्ती की जा रही है। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को वर्ल्ड रैंकिंग के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए। उच्च शिक्षा संस्थानों के गुणवत्ता संवर्धन के लिए सभी की सहभागिता, आत्ममंथन एवं निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने सैक की स्थापना की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक मथुरा प्रसाद, सैक की सदस्य सचिव एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. उषा के. नायर आदि उपस्थित थे।

टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री सारंग ने कहा-

विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं से संवरेगा भोपाल का अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर

- समयसीमा में गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के दिए निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को विश्वस्तरीय स्वरूप देने की दिशा में सरकार ने निर्माण और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को टीटी नगर स्टेडियम में समीक्षा बैठक लेकर खेल अधोसंरचना, सुरक्षा, जनसुविधाओं, ऊर्जा प्रबंधन और निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

अब होंगे पांच प्रवेश द्वार- बैठक में बताया गया कि खिलाड़ियों, दर्शकों और आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए परिसर में दो नए प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं।

अरेरा हिल्स टीआई और आरक्षक सस्पेंड, शिकायत पर पुलिस कमिश्नर की कार्रवाई

विभागीय जांच के आदेश, पद के दुरुपयोग के आरोपों की होगी पड़ताल

भोपाल (नगर संवाददाता)

पुलिस कमिश्नर ने अरेरा हिल्स थाना प्रभारी सुनील शर्मा और आरक्षक नंदकिशोर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शिकायतकर्ता ने पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत व कुछ दस्तावेज और अन्य साक्ष्य भी सौंपे थे। शिकायत में आरोप लगाया था कि टीआई ने अपने पद का दुरुपयोग किया गया, जबकि आरक्षक नंदकिशोर को पूरे घटनाक्रम की जानकारी होने के बावजूद उसने भी कथित तौर पर सहयोग किया। शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोप प्रथम दृष्ट्या गंभीर पाए जाने पर पुलिस कमिश्नर ने दोनों पुलिसकर्मियों के निलंबन के आदेश जारी कर दिए। साथ ही थाना प्रभारी सुनील शर्मा के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान थाना प्रभारी और आरक्षक की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होने पर दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभागीय जांच की रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ पर लटकी मिली शैफ की लाश,फांसी लगा दी जान

भोपाल। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित कलियासोत डैम के पास जंगल में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह एक बंगले में शैफ का काम करता था। मंगलवार दोपहर लोगों ने उसे पेड़ पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया। मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उसने लोन और वसूली के लिए मिलने वाली प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने मकान बनाने लोन लिया था। लोन की किश्त जमा नहीं करने पर बैंक वाले उस पर दबाव बना रहे थे। बैंक का लोन चुकाने उसने गोल्ड लोन अलग से ले लिया था। सुसाइड नोट जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक वल्लभ नगर झुग्गी अरेरा हिल्स निवासी राजमणि पटेल पुत्र बुद्धसेन पटेल (35) ने नीलबड़ की श्रीधाम कॉलोनी में लोन लेकर मकान बनाया था और चूनाभट्टी स्थित एक बंगले पर पंद्रह हजार रुपए प्रतिमाह के वेतन पर शैफ की नौकरी कर रहा था। राजमणि ने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे पत्नी से मोबाइल पर बात की। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। मंगलवार दोपहर तीन बजे कलियासोत के पास फार्म हाउस में काम करने वाले युवकों ने रस्सी के सहारे पेड़ पर लाश लटकी देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल देखा। इस दौरान मृतक की बाइक सड़क पर मिली। पहचान मृतक राजमणि पटेल के रूप में की गई।

विदेशी शराब की पॉश इलाकों में सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पति-पत्नी समेत चार पकड़ाए, गैंग को मिलकर कर रहे थे ऑपरेट, 4 लग्जरी वाहन और 552.75 बल्क लीटर शराब जब्त, हाईप्रोफाइल पार्टियों में पहुंचाई जाती थी महंगी शराब

भोपाल (नगर संवाददाता)

आबकारी विभाग की टीम ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो विदेशी शराब को अरेरा कॉलोनी समेत अन्य पॉश इलाकों में होने वाली पार्टियों में सप्लाई करता था। इसमें जो गिरोह पकड़ा गया है उसको पति और पत्नी मिलकर ऑपरेट कर रहे थे।

फिलहाल 4 आरोपी पकड़े गए हैं। उनके कब्जे से भारी मात्रा में विदेशी शराब समेत 4 कार जब्त की गई हैं। आबकारी अधिकारियों का कहना है नेटवर्क की जांच की जा रही है, गिरोह में शामिल और लोगों की संलिप्तता पाए जाने पर उनकी भी धरपकड़ की जाएगी। सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने बताया कि पिछले कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि एक युवक विदेशी शराब की भोपाल में सप्लाई करता है। इतना ही नहीं बाकायदा इसके पीछे पूरा गिरोह काम कर रहा है। पहले तो आबकारी की टीम ने रैकी की। इसके बाद आबकारी अमले ने मंगलवार रात में गांधीनगर स्थित पंचवटी कॉलोनी में दबिश दी। सादे कपड़ों में पहुंची टीम ने घेराबंदी कर आरोपी राहुल यादव की कार में तलाशी ली जिसमें 81 बल्क लीटर विदेशी शराब मिली। छापे में मिली शराब और कार दोनों मौके पर ही जब्त कर ली गई। जांच में पता चला कि आरोपी पूर्व का शराब तस्कर है और इस तरह के मामले में गिरफ्तार भी हो चुका है। एक बार फिर से आरोपी की गिरफ्तारी की गई।

पूछताछ के बाद पत्नी भी आई गिरफ्त में

आबकारी की टीम द्वारा शराब तस्करी के संबंध में पकड़ाए आरोपी पति रवि से कड़ी पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर विकास कुंज त्रिलंगा स्थित घर में दबिश दी। यहां उनकी पत्नी प्रीति यादव के कब्जे से अवैध विदेशी शराब की बॉटल से भरी पेटियां जब्त की गईं। जिसमें 411.75 लीटर शराब थी। आरोपी पत्नी ने घर में खड़ी तीन कारों में शराब छिपाकर रखी थी जो जल्द ही किसी हाईप्रोफाइल पार्टी में पहुंचाई जाने वाली थी। दंपत्ति ने पूछताछ में अपने गिरोह में शामिल चंचल साहू और अनिकेत शाक्य का नाम भी बताया। आबकारी की टीम ने बुधवार सुबह चंचल के घर पर दबिश देकर 54 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की। वहीं, बरखेड़ी क्षेत्र से अनिकेत को एक स्कूटी में शराब की 6 पेटी ले जाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इस तरह सभी आरोपियों कब्जे से कुल 552.75 बल्क लीटर शराब और चार कार जब्त की गई। इनकी कुल कीमत 60 लाख रुपए से ज्यादा आंकी गई है।

आगरा, ग्वालियर के रास्ते हो रही भोपाल में सप्लाई

आबकारी अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के कब्जे से विदेश में बनने वाली शराब की बॉटलें भी जब्त की हैं। जब्त बॉटल में लेवलिंग नहीं की गई थी। ऐसा अंदेशा है कि विदेशी शराब की सप्लाई आगरा, ग्वालियर के रास्ते से भोपाल तक पहुंचाई जा रही थी। आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि अरेरा कॉलोनी, चार इमली समेत शहर के पॉश इलाकों की बड़ी पार्टियों में ही विदेशी शराब की सप्लाई होती थी। गिरोह का नेटवर्क काफी लंबा है ,जांच में कई रसूखदारों के भी चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं। अधिकारियों का कहना है इंवेस्टीगेशन में आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। शराब जब्ती में आबकारी अमले ने 3 दिन लगातार छापेमारी की। इस दौरान पूरी सतर्कता बरती ताकी आरोपियों को भनक न लगे। इस कार्रवाई में आबकारी टीम में उप निरीक्षक स्वाति बघेल,भ्रांति सरयाम व सहायक जिला आबकारी अधिकारी अर्चना जैन शामिल रहीं।

हाई रेंज की शराब मिली : आबकारी अमले के छापे में हाईरेंज की अवैध शराब जब्त हुई है। इसमें विदेशी शराब के कई नामी गिरामी ब्रांड जैसे ग्लेन फिच स्कॉच, सिंगलटन व्हिस्की और स्कॉच, गोल्ड लेवल स्कॉट, रेड लेवल स्कॉच, शिवाज रीगल स्कॉच, ग्रे गूज वोदका , न लिवेट व्हिस्की,बॉम्बे सैफायर जिन, टीचर्स फिफ्टी स्कॉच शामिल है। इसमें विदेशी शराब की एक बाटल की कीमत पांच हजार रुपए से लेकर सात हजार रुपए तक है।

800 से अधिक कॉलेजों में बीबीए और बीसीए कोर्स की 30 हजार सीटें खाली

- दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया जारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग के तहत दूसरे चरण की प्रक्रिया में बीबीए और बीसीए में बड़ी लगभग 30 हजार सीटें खाली रह गई हैं। इन रिक्त सीटों पर काउंसिलिंग जारी है।

उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण के लिए बीबीए में 10,033 और बीसीए में 3,930 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिन्हें मिलाकर शेष रिक्त सीटों को भरने की प्रक्रिया चल रही है। पहले चरण में बीसीए में प्रदेश से कुल 15,819 सीटों में से केवल 3,178 छात्रों ने प्रवेश लिया और 12,641 सीटें खाली रह गई, वही बीबीए में प्रदेश में 32,702 सीटों में से सिर्फ 6,908 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया और 25,794 सीटें रिक्त रह गई है। इन रिक्त सीटों के लिए काउंसिलिंग जारी है। कॉलेज स्तर की कांउसिलिंग 31 जुलाई कर दी गई है।

बता दें कि प्रदेश में 300 से अधिक कॉलेजों में बीसीए और लगभग 500 कॉलेजों में बीबीए कोर्स उपलब्ध हैं। राज्य में प्रवेश प्रक्रिया, उच्च शिक्षा विभाग की काउंसलिंग के माध्यम से संचालित होती है, जो आम तौर पर हर साल मई-जून में शुरू होती है। भोपाल में बीएसएसएस, सेज यूनिवर्सिटी, और ओरिएंटल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर में एन एम आई एम एस और सिम्बायोसिस बीबीए के लिए, सेज यूनिवर्सिटी और प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट बीसीए के लिए।

हॉकी विश्व कप टीम में विवेक का चयन

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के एसोसिएट खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हुआ है। बेल्जियम और नीदरलैंड में विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भोपाल के पॉश कोहेफिजा की करोड़ों की जमीन पर उच्च न्यायालय सख्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी भोपाल के सबसे पॉश और वीआईपी इलाकों में शामिल कोहेफिजा की करोड़ों रुपये कीमत वाली कई एकड़ की जमीन को लेकर चल रहे लम्बे कानूनी विवाद में आखिर अब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने वन विभाग के सचिव को 10 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने यह निर्देश उस समय दिया है जब सरकार की ओर से यह बताया गया कि कोहेफिजा स्थित 1.43 एकड़ अतिरिक्त जमीन की पहचान कर उसे मूल भू-स्वामियों को लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस पर उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई में पूरी प्रगति रिपोर्ट पेश की जाए।

जेंडर रेस्पोंसिव बजट की समीक्षा और निगरानी के लिए अंतर्विभागीय समिति का गठन

भोपाल। राज्य शासन द्वारा जेंडर रेस्पोंसिव बजट की राज्य स्तर पर समीक्षा एवं निगरानी के लिए अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समिति का गठन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, वि.क.स. सह-सदस्य सचिव योजना आयोग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास और अन्य आमंत्रित विभाग के प्रतिनिधि/सलाहकार सदस्य होंगे। समिति द्वारा विभागों में जेंडर बजट स्टेटमेंट, विभागीय अमले की प्रशिक्षण/क्षमतावर्धन की स्थिति, जेंडर रेस्पोंसिव बजट तैयार करने वाले विभागों के लिए सुझाव एवं समीक्षा, जेंडर अवेयरनेस आदि से संबंधित विषयों की त्रैमासिक समीक्षा और विभाग प्रस्तावित नवीन योजनाओं से जेंडर बजटिंग के लिए संभावनाएं जैसे विषयों की समीक्षा एवं निगरानी की जायेगी।

अब छोटे किसान भी कर सकेंगे आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग

मध्यप्रदेश की प्र्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में खुलेंगी 1060 कृषि यंत्र 'किराये की दुकानें'

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्य के छोटे किसान भी आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर यह सुविधा किसानों को विधानसभा क्षेत्र में ही कृषि यंत्र किराये की दुकान के माध्यम से मिलेगी। सरकार ने प्रत्येक विधानसभा में इस तरह की एक हजार से अधिक दुकानें प्रतिवर्ष खोलने का निर्णय लिया है।

जानकारी के मुताबिक कृषक कल्याण वर्ष-2026 को देखते हुए प्रत्येक विधानसभा में कम से कम एक 'कृषि यंत्र किराये की दुकान' अनिवार्य रूप से खोलने की तैयारी सरकार द्वारा की गई है। कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय की निगरानी में खोली जाने वाली इन दुकानों का उद्देश्य प्रत्येक गांव में छोटे और सीमांत किसानों को खेत तैयार करने और फसल व्यवस्थापन में आधुनिक कृषि यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है। साल अंत तक 1060 दुकान प्रत्येक विधानसभा में खोलने का लक्ष्य लिया है। इसके मद्देनजर संचालनालय द्वारा आवेदन बुलाकर दुकान स्थापना की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके लिये 25 लाख की लागत पर 10 लाख तक का अनुदान भी निर्धारित किया गया है।

अभी 5260 कस्टम हायरिंग केंद्रों से मिल रही सुविधा -प्रदेश के किसानों को अभी यह सुविधा 5260 कस्टम हायरिंग केंद्रों से मिल रही थी। यह केंद्र भारत सरकार के सहयोग से कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय की निगरानी में संचालित किये जा रहे हैं।

छिदवाड़ा जिले में सबसे ज्यादा दुकानें

प्रदेश में कुल 1060 दुकाने खोली जानी हैं। जिसमें सबसे ज्यादा 36 दुकानें छिंदवाड़ा जिले में खोली जाएंगी। रीवा और सतना में 35 दुकानें स्थापित होंगी। बैतूल में 21 और धार जिले में 20 दुकानों के अलावा अन्य जिलों में 19-18 दुकानें खुल जाएंगी।

उपलब्ध कराये जाएंगे यह कृषि उपकरण

- ट्रैक्टर
- प्लाऊ अथवा पावर हैरो
- रोटावेटर
- कल्टीवेटर अथवा डिस्क हैरो
- एक सीड कम फर्टीलाइजर ड्रिल अथवा टैक्टर चलित बुवाई यंत्र
- एक ट्रैक्टर संचालित थ्रेसर अथवा स्ट्रोरीपर

कृषि यंत्रों के निर्माण में आत्म निर्भर है मप्र

कृषि यंत्रों के निर्माण में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर हो रहा है। विदिशा जिले ने आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। यहां लगभग 150 कृषि उपकरण निर्माण इकाइयाँ है। यहां बने कृषि यंत्रों की मांग अन्य राज्यों और विदेशों में भी हो रही है। यहां बने यंत्र और उपकरण 10 से ज्यादा देशों तक पहुंच रहे हैं। इनमें नाइजीरिया, सूडान, केन्या, यूगांडा, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, घाना, अल्जीरिया, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। दो-तिहाई बिजनेस देश के अंदर होता है और एक-तिहाई कारोबार विदेशों में है। पूरे साल में करीब 4 करोड़ रुपये का कारोबार होता है।

फर्जी जॉब कार्ड पर 1.46 करोड़ का भुगतान, 98% परिवारों को नहीं मिला 100 दिन का रोजगार

भोपाल (प्रसं)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के क्रियान्वयन को लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश की पंचायतों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019-20 से 2023-24 के दौरान बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों ने अनिवार्य रजिस्टरों का संधारण नहीं किया, हजारों आवेदनों पर बिना कारण कार्रवाई लंबित रखी गई और 2,426 फर्जी, डुप्लीकेट या त्रुटिपूर्ण जॉब कार्डों पर 1.46 करोड़ रुपये की मजदूरी का भुगतान कर दिया गया।कैग के अनुसार चयनित ग्राम पंचायतों में 8,575 रोजगार आवेदनों पर बिना कोई कारण दर्ज किए कार्रवाई नहीं की गई। वहीं मांग दर्ज होने से लेकर कार्य आवंटन, मजदूरी भुगतान और कार्य पूर्ण होने तक की पूरी प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड भी व्यवस्थित रूप से नहीं रखे गए। इससे योजना के क्रियान्वयन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हुए हैं।

कैग रिपोर्ट — 16 फीसदी गांव-वार्डों में आंगनबाड़ी नहीं, 13 जिलों में निर्माण में देरी से 6.18 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च

प्रदेश में सबसे अधिक शिशु मृत्यु दर, एक हजार पर 41 बच्चों की मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की तस्वीर अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की मार्च 2024 तक की अवधि पर आधारित निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सामने आया है कि प्रदेश की शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) प्रति एक हजार जीवित जन्मों पर 41 है, जो देश में सबसे अधिक है। वहीं मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 173 दर्ज की गई है, जो मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों की ओर संकेत करती है।महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर तैयार कैग रिपोर्ट में आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना और संचालन, कामकाजी महिला वसतिगृहों तथा बाल देखरेख संस्थानों का आकलन किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में संचालित एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना पर वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच 20,565.32 करोड़ रुपये खर्च किए गए और इस दौरान 1.51 करोड़ से अधिक हितग्राहियों को लाभ मिला। इसके बावजूद योजना के क्रियान्वयन में कई गंभीर कमियां सामने आई हैं। कैग ने पाया कि प्रदेश में 54,903 गांवों और वार्डों में से 8,842 (करीब 16 प्रतिशत) स्थानों पर आंगनवाड़ी केंद्र ही नहीं हैं, जबकि जनसंख्या के मानकों के अनुसार वहां केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए थे। जहां भवन बनाए गए, वहां भी कई मामलों में स्थल चयन के निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि अनेक आंगनवाड़ी केंद्रों में पर्याप्त भवन, पेयजल, शौचालय, रसोई, स्टोर रूम, खेल मैदान और बच्चों के अनुकूल बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

वित्तीय प्रबंधन में मिली अनियमितताएं

वित्तीय प्रबंधन में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। रिपोर्ट के अनुसार, 13 में से आठ जिलों में 202 आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण समय पर पूरा नहीं हुआ, जिससे लागत में 6.18 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि हुई। कई मामलों में पहले जारी राशि के उपयोग का आकलन किए बिना अतिरिक्त धन जारी कर दिया गया। वहीं 13 में से 10 जिला कार्यक्रम अधिकारियों को यह तक जानकारी नहीं थी कि निर्माण एजेंसियों के पास कितनी राशि और उस पर कितना ब्याज जमा है। शेष तीन जिलों में 2.32 करोड़ रुपये का ब्याज अर्जित हुआ, लेकिन उसके उपयोग के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई।

गर्म पका भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर सवाल : रिपोर्ट में आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्म पका भोजन (हॉट कुक्ड मील) उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए हैं। कई स्थानों पर अपंजीकृत स्वयं सहायता समूहों से भोजन की आपूर्ति कराई गई, जबकि कहीं भोजन कम मिला, अधिक दिखाया गया या बिल्कुल नहीं पहुंचा। पांच जिलों में कई महीनों तक भोजन आपूर्ति से जुड़े बिल ही उपलब्ध नहीं मिले, जिससे यह सत्यापित नहीं हो सका कि बच्चों को वास्तव में भोजन मिला भी या नहीं। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांच के लिए नमूने भी नहीं लिए गए और रिकॉर्ड संधारण में भी भारी कमियां पाई गईं।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।